

सीआरआरआई सूचना-पत्र

CRRINewsletter



हर कदम, हर डगर
किसानों का हंगसफर
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
AgriSearch with a human touch

Vol. 47; No. 1

January-March, 2026

जनवरी- मार्च, 2026

ISSN 0972-5865

विषयसूची / CONTENTS

आयोजन	
प्रशासनिक और वित्तीय मामलों पर दूसरी क्षेत्रीय बैठक	1
भाकृअनुप-सीआरआरआई पूर्वी क्षेत्र खेलकूद प्रतियोगिता-2025 में समग्र चैंपियन शिप	2
जीवन शैली के रूप में सकारात्मक सोच: डॉ. हिमांशु पाठक के विचार	3
देशभक्ति, गौरव और प्रगति: भाकृअनुप-सीआरआरआई में 77वें गणतंत्र दिवस का समा रोह	4
ओडिशा में सतत चावल विकास के लिए अनुसंधान-सरकार सहयोग को सुदृढ़ बनाना	5
आरटीआईआईएस-2026 द्वारा चावल क्षेत्र में अनुसंधान-उद्योग तालमेल की मजबूती	6
बदलाव का नेतृत्व: भाकृअनुप-सीआरआरआई ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2026 मनाया	7
भाकृअनुप-सीआरआरआई में 38वीं संस्थान प्रबंधन समिति की बैठक में रणनीतिक रोडमैप तैयार किया गया	8
अनुसंधान और विकास पहलों को समझने के लिए उत्तराखंड के पत्रकारों का केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान का दौरा	9
प्रशिक्षण कार्यक्रम	10
प्रदर्शनी में प्रतिभागिता	12
आगतक	13
समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर	13
सीआरआरआई क्षेत्रीय केंद्र, हजारीबाग	13
कृषि विज्ञान केंद्र कार्यक्रम	15
कृषि विज्ञान केंद्र, कोडरमा	18
सम्मेलन/परिसंवाद/कार्यशाला/शीतकालीन पाठ्यक्रम/प्रदर्शनी/प्रशिक्षण कार्यक्रमों/बैठकों में प्रतिभागिता	19
नियुक्ति	22
पदोन्नति/वित्तीय लाभ	22
निदेशक की कलम से	23

Events	
2 nd Zonal Meeting on Administrative and Financial Matters	1
ICAR-CRRI Lifts Overall Championship at TEZ-2025 Sports Meet	2
Positive Thinking as a Way of Life: Insights from Dr. Himanshu Pathak	3
Patriotism, Pride, and Progress: 77 th Republic Day Celebration at ICAR-CRRI	4
Strengthening Research-Government Collaboration for Sustainable Rice Development in Odisha	5
RTIIS-2026 Strengthens Research-Industry Synergy in Rice Sector	6
Leading the Change: ICAR-CRRI Celebrates International Women's Day 2026	7
38 th Institute Management Committee Meeting Charts Strategic Roadmap at ICAR-CRRI	8
Visit of Journalists from Uttarakhand to ICAR-Central Rice Research Institute to Understand Research and Development Initiatives	9
Training Programmes	10
Participation in Exhibition	12
Visitors	13
MoUs Signed	13
CRRI Regional Station, Hazaribagh	13
KVK Programmes	15
KVK, Koderna	18
RESEARCH NOTE	18
Seminar/Symposia/Workshop/Winter School/Exhibition/Training Programmes	19
/Meetings attended	19
Research/Extension/Technology Bulletins	20
Appointment	22
Promotion/Financial Benefit	22
From Director's Desk	23

आयोजन

प्रशासनिक और वित्तीय मामलों पर दूसरी क्षेत्रीय बैठक



भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रशासनिक और वित्तीय मामलों पर दूसरी क्षेत्रीय बैठक 5 जनवरी 2026 को भाकृअनुप-केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक में आयोजित की गई। कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग के माननीय सचिव तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. एम. एल. जाट ने इस बैठक की अध्यक्षता की। डॉ. जाट ने "टीम आईसीएआर" की अभिकल्पना के बारे में विस्तृत से वर्णन किया और सामूहिक उत्तरदायित्व तथा संस्थागत सुदृढ़ीकरण पर जोर दिया। बैठक में प्रतिभागी संस्थानों द्वारा उठाए गए विभिन्न प्रशासनिक और वित्तीय मुद्दों पर विषयगत चर्चाएं हुईं। दोपहर के सत्र के दौरान, डॉ. एम. एल. जाट ने भाकृअनुप-सीआरआरआई के कर्मचारियों के साथ विचार-विमर्श किया और वर्ष 2025 के दौरान हासिल की गई महत्वपूर्ण उपलब्धियों पर प्रकाश डाला, विशेष रूप से चावल उत्पादन में भारत की प्रगति, जिसने चीन को भी पीछे छोड़ दिया। उन्होंने जलवायु परिवर्तन और मिट्टी के स्वास्थ्य में गिरावट जैसी उभरती चुनौतियों पर भी चर्चा की और रणनीतिक तैयारी, नवाचार तथा कौशल विकास और प्रतिभा निखार के माध्यम से निरंतर क्षमता निर्माण के महत्व पर जोर दिया। इसके बाद, डॉ. डी.के. यादव, उप

Events

2nd Zonal Meeting on Administrative and Financial Matters



The 2nd Zonal Meeting on Administrative and Financial Matters was held on 5 January 2026 at ICAR-Central Rice Research Institute (CRRRI), Cuttack, organized by the Indian Council of Agricultural Research (ICAR), New Delhi. The meeting was chaired by Dr. M. L. Jat, Hon'ble Secretary (DARE) & Director General (ICAR). Dr. Jat set the perspective on "Team ICAR" and emphasized collective responsibility and institutional strengthening. This was followed by thematic discussions on various administrative and financial issues raised by the participating institutes. During the afternoon session, Dr. M. L. Jat interacted with the staff members of ICAR-CRRI and highlighted the significant accomplishments achieved during the year 2025, notably India's advancement in rice production, surpassing China. He also deliberated on emerging challenges, including climate change and soil health degradation, and emphasized the importance of strategic preparedness, innovation, and continuous capacity building through skill enhancement and talent development. Subsequently, Dr. D.K. Yadav, Deputy Director General (Crop Science), delivered an address on genome editing

भाकृअनुप-केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक
ICAR-CENTRAL RICE RESEARCH INSTITUTE, CUTTACK

हमारी वेबसाइट पर जाएँ / Visit us at: www.icar-nrri.in



महानिदेशक (फसल विज्ञान), ने जीनोम एडिटिंग तकनीकों, बदलते जलवायु परिदृश्यों के तहत चावल उत्पादन और एकीकृत कीट प्रबंधन रणनीतियों पर अपना संबोधन दिया। डॉ. ए.के. नायक, उप महानिदेशक (प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन) ने पिछले एक दशक में भाकृअनुप-सीआरआरआई की प्रमुख उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और संस्थान की निरंतर प्रगति तथा एक उज्ज्वल भविष्य के लिए अपनी शुभकामनाएँ व्यक्त कीं। भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक के निदेशक डॉ. जी ए के कुमार ने संस्थान के इतिहास और प्रमुख उपलब्धियों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। बैठक का समापन एक सकारात्मक माहौल में हुआ, जिसने कृषि अनुसंधान और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता के प्रति आईसीएआर की प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ किया।

भाकृअनुप-सीआरआरआई पूर्वी क्षेत्र खेलकूद प्रतियोगिता-2025 में समग्र चैंपियनशिप

भाकृअनुप-केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक ने दिनांक 6-9 जनवरी 2026 के दौरान भुवनेश्वर के प्रतिष्ठित कलिंग स्टेडियम में आयोजित पूर्वी क्षेत्र टूर्नामेंट में 'ओवरऑल चैंपियन' बना। इस वार्षिक खेल आयोजन की मेजबानी भाकृअनुप-केंद्रीय मीठा जल जीवपालन संस्थान ने की थी। चार-दिवसीय इस खेलकूद प्रतियोगिता में पूर्वी क्षेत्र के 24 आईसीएआर संस्थानों



ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया जिसमें आईसीएआर मुख्यालय (नई दिल्ली) की मजबूत टीम भी शामिल थी। इस आयोजन में 720 से अधिक खिलाड़ियों ने विभिन्न प्रकार के खेलों और एथलेटिक खेलों में प्रतिस्पर्धा की। बेहतरीन निरंतरता और प्रतिस्पर्धी भावना का प्रदर्शन करते हुए, भाकृअनुप-सीआरआरआई ने 119 अंकों के प्रभावशाली स्कोर के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया और 'ओवरऑल चैंपियनशिप ट्रॉफी' जीता जबकि आईसीएआर मुख्यालय, नई दिल्ली ने 'रनर-अप' का स्थान प्राप्त किया। भाकृअनुप-सीआरआरआई ने कई खेल स्पर्धाओं में अपना दबदबा बनाया और कबड्डी, वॉलीबॉल (शूटिंग), 100×4 रिले रेस (महिला), कैरम सिंगल्स और कैरम मिक्स्ड डबल्स में चैंपियनशिप खिताब जीते। संस्थान ने फुटबॉल, क्रिकेट, वॉलीबॉल (स्मैशिंग), बैडमिंटन सिंगल्स (महिला) और कैरम सिंगल्स (महिला) में उपविजेता बनकर अपने पदकों की संख्या को और बढ़ाया। खेलकूद के क्षेत्र में बेहतरीन प्रदर्शन ने सीआरआरआई के प्रदर्शन को और भी विशिष्ट बना दिया। डॉ. अमित कुमार दाश को 'सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी' और सुश्री नूपुर चौधरी को टैक पर उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'सर्वश्रेष्ठ महिला एथलीट' का पुरस्कार दिया गया। चैंपियनशिप में मिली यह जीत भाकृअनुप-सीआरआरआई के खेल भावना, टीम कार्य और सर्वांगीण विकास पर दिए जाने वाले जोर को दर्शाती है जो इसके विशिष्ट वैज्ञानिक योगदानों को और भी निखारती है। इस दल की सफलता भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक के निदेशक डॉ. जी ए के कुमार, फसल उत्पादन प्रभाग के अध्यक्ष और (खेल) अध्यक्ष डॉ. प्रताप भट्टाचार्य तथा वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी श्री वी. गणेश कुमार के कुशल नेतृत्व और प्रेरणा के तहत हासिल हुई जिनके समन्वित प्रयासों ने टीम को बेहतरीन प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। श्री ऋषि कांत सिंह ने 'चीफ डी मिशन' के रूप में कार्य किया और सीआरआरआई दल को शीर्ष स्थान तक पहुँचाने में अहम भूमिका निभाई। टीम की भागीदारी और लॉजिस्टिक्स का कुशल प्रबंधन टीम प्रबंधक के तौर पर श्री सुबोध साहू, श्री मुनाएल महांती और श्री सत्यब्रत नायक ने किया। विशेष रूप से, संस्थान के खेल सचिव श्री प्रशांत कुमार जेना को तेज-2025 के लिए 'केंद्रीय पर्यवेक्षक' के रूप में भी नामित किया गया था। तेज-2025 में इस शानदार प्रदर्शन ने आईसीएआर खेल जगत में एक 'शक्ति-केंद्र' के रूप में भाकृअनुप-सीआरआरआई की प्रतिष्ठा को और मजबूत किया है और यह संस्थान की यात्रा में एक और गौरवपूर्ण उपलब्धि है।

technologies, rice production under changing climatic scenarios, and integrated insect pest management strategies. Dr. A.K. Nayak, Deputy Director General (Natural Resource Management) highlighted the key achievements of ICAR-CRRI over the past decade and conveyed his best wishes for the institute's continued progress and a promising future.

Dr. G. A. K. Kumar, Director, ICAR-CRRI, Cuttack, presented a brief overview of the history and major achievements of the institute.

The meeting concluded on a positive note, reinforcing ICAR's commitment to excellence in agricultural research and national food security.

ICAR-CRRI Lifts Overall Championship at TEZ-2025 Sports Meet

ICAR-Central Rice Research Institute (ICAR-CRRI), Cuttack, emerged as the Overall Champion at the Tournament of Eastern Zone (TEZ-2025) held from 6-9 January 2026 at the iconic Kalinga Stadium, Bhubaneswar. The annual sporting event was hosted by the ICAR-Central Institute of Freshwater Aquaculture (ICAR-CIFA).

The four-day tournament witnessed enthusiastic participation from 24

ICAR institutes across the Eastern Zone, including the strong ICAR Head Quarters (New Delhi) contingent, with over 720 athletes competing in a wide range of sports and athletic disciplines. Demonstrating outstanding consistency and competitive spirit, ICAR-CRRI topped the leaderboard with an impressive 119 points to clinch the Overall Championship Trophy, while ICAR Headquarters, New Delhi, secured the Runners-up position.

ICAR-CRRI dominated several events, winning Championship titles in Kabaddi, Volleyball (Shooting), 100×4 Relay Race (Women), Carrom Singles, and Carrom Mixed Doubles. The institute further strengthened its medal tally by finishing as Runners-up in Football, Cricket, Volleyball (Smashing), Badminton Singles (Women), and Carrom Singles (Women). Excellence in athletics added further distinction to CRRI's performance, with Dr. Amit Kumar Dash being adjudged Best Athlete (Men) and Ms. Nupur Choudhury receiving the Best Athlete (Women) award for their stellar performances on the track.

The championship triumph reflects ICAR-CRRI's strong emphasis on sportsmanship, teamwork, and holistic development, complementing its distinguished scientific contributions. The success of the contingent was achieved under the able leadership and motivation of Dr. G.A.K. Kumar, Director, ICAR-CRRI, Cuttack; Dr. Pratap Bhattacharyya, Head, Crop Production Division and Chairman (Sports); and Shri V. Ganesh Kumar, Senior Administrative Officer, whose coordinated efforts inspired the team to excel.

Shri Rishi Kant Singh served as the Chief de Mission and played a pivotal role in steering the CRRI contingent to the top podium. The team's participation and logistics were efficiently managed by Shri Subodh Sahoo, Shri Munael Mohanty and Shri Satyabrata Nayak as Team Managers. Notably, Shri Prashant Kumar Jena, Sports Secretary of the Institute, was also nominated as the Central Observer for TEZ-2025.

The stellar performance at TEZ-2025 further reinforces ICAR-CRRI's reputation as a powerhouse in the ICAR sports circuit and marks yet another proud milestone in the institute's journey.

जीवन शैली के रूप में सकारात्मक सोच: डॉ. हिमांशु पाठक के विचार



Positive Thinking as a Way of Life: Insights from Dr. Himanshu Pathak



अंतर्राष्ट्रीय अर्ध-शुष्क उष्णकटिबंधीय फसल अनुसंधान संस्थान (इक्रीसैट) के महीनिदेशक डॉ. हिमांशु पाठक ने 22 जनवरी 2026 को भाकृअनुप-केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक का दौरा किया। इस अवसर पर, उन्होंने "सकारात्मक सोच" विषय पर एक प्रेरणादायक और उत्साहवर्धक व्याख्यान दिया, जिसने श्रोताओं के मन और हृदय को अत्यंत समृद्ध किया। अपने संबोधन में, डॉ. पाठक ने बहुत ही प्रभावशाली ढंग से समझाया कि सकारात्मक विचार क्या होते हैं और वे किसी व्यक्ति के रवैये, व्यवहार और जीवन के प्रति दृष्टिकोण को आकार देने में एक शक्तिशाली शक्ति के रूप में कैसे काम करते हैं। उन्होंने बड़े ही सोच-समझकर इन विचारों की तुलना नकारात्मक विचारों से की और समझाया कि कैसे नकारात्मकता विकास को बाधित करती है, आत्मविश्वास को कमजोर करती है और अक्सर सफलता की राह में एक बाधा बन जाती है। पूरी स्पष्टता और सरलता के साथ, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हमारे विचार हमारे कार्यों को और अंततः हमारी उपलब्धियों को निर्धारित करने में एक निर्णायक भूमिका निभाते हैं। डॉ. पाठक ने आगे इस बात पर जोर दिया कि चुनौतियाँ और अनिश्चितताओं का सामना करते समय, जीवन जीने के एक सचेत तरीके के तौर पर सकारात्मकता को चुनना कितना जरूरी है। उन्होंने इस बात को रेखांकित किया कि सकारात्मक सोच से आंतरिक शक्ति, लचीलापन और आशावाद बढ़ता है, जिससे व्यक्ति दृढ़ता और उम्मीद के साथ बाधाओं को पार कर पाते हैं। उनकी दिलचस्प प्रस्तुति और व्यावहारिक विचारों ने इस सत्र को बौद्धिक रूप से उत्तेजक और भावनात्मक रूप से उत्साहवर्धक बना दिया।

इस विचार आदान-प्रदान सत्र ने प्रतिभागियों पर एक गहरा और स्थायी प्रभाव छोड़ा और उन्हें अपने निजी और पेशेवर, दोनों ही क्षेत्रों में एक सकारात्मक मानसिकता विकसित करने के लिए प्रेरित किया। कुल मिलाकर, डॉ. पाठक का संबोधन प्रेरणा और प्रोत्साहन का एक स्रोत था, जिसने इस विश्वास को और मजबूत किया कि एक सकारात्मक मन ही सार्थक कार्यों और वास्तविक सफलता की ओर ले जाता है।

एफएफपी के तहत सहभागी क्षेत्र दौरा-सह-किसान संवाद

'फार्मर फर्स्ट प्रोग्राम' के तहत 21 जनवरी 2026 को कटक के सालेपुर में एक सहभागी क्षेत्र दौरा-सह-किसान संवाद कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की शुरुआत एक क्षेत्र दौरे से हुई, जिसमें भाकृअनुप-अटारी, कोलकाता के निदेशक डॉ. प्रदीप दे ने डॉ. कल्याण सुंदर दास तथा आईसएआर संस्थानों और आयुएटी के वैज्ञानिकों के साथ मिलकर एफएफपी के उन प्रदर्शन भूखंडों का निरीक्षण किया जिनमें सब्जियों पर आधारित एकीकृत कृषि प्रणालियों को प्रदर्शित किया गया था। माननीय अतिथियों ने फसलों के प्रदर्शन और वैज्ञानिक उपायों की सराहना की और मशीनों से पनीर बनाने जैसी मूल्य-वर्धित कार्यकलापों के लिए महिला स्वयं-सहायता समूहों की सरहाना की। इसके बाद किसानों और वैज्ञानिकों के बीच एक चर्चा सत्र हुआ जिसमें परियोजना की उपलब्धियों और जल प्रबंधन, फसल विविधीकरण तथा

Dr. Himanshu Pathak, Director General, ICRIASAT, visited ICAR-Central Rice Research Institute (CRRI), Cuttack on 22 January 2026. On this occasion, he delivered an inspiring and motivational talk on the theme of "Positive Thinking," which greatly enriched the minds and hearts of the audience.

In his address, Dr. Pathak eloquently explained what constitutes positive thoughts and how they serve as a powerful force in shaping one's attitude, behaviour, and outlook towards life. He thoughtfully contrasted these with negative thoughts, explaining how negativity restricts growth, weakens confidence, and often becomes a barrier to success. With clarity and simplicity, he emphasized that our thoughts play a decisive role in determining our actions and, ultimately, our achievements.

Dr. Pathak further highlighted the importance of choosing positivity as a conscious way of life, especially in the face of challenges and uncertainties. He underlined that positive thinking fosters inner strength, resilience, and optimism, enabling individuals to overcome obstacles with determination and hope. His engaging narration and practical insights made the session both intellectually stimulating and emotionally uplifting.

The talk left a lasting impression on the audience, motivating them to cultivate a positive mindset in both personal and professional spheres. Overall, Dr. Pathak's address was a source of inspiration and encouragement, reinforcing the belief that a positive mind leads to purposeful action and meaningful success.

Participatory Field Visit-cum-Farmers' Interaction under FFP

A participatory field visit-cum-farmers' interaction programme under the Farmer FIRST Programme (FFP) was successfully organized on 21 January 2026 at Salipur, Cuttack. The programme began with a field visit where Dr. Pradiip Dey, Director, ICAR-ATARI, Kolkata, along with Dr.

Kalyan Sundar Das and scientists from ICAR institutes and OUAT, inspected FFP demonstration plots showcasing vegetable-based integrated farming systems.

The dignitaries appreciated the crop performance and scientific interventions, and commended women SHGs for value-added activities like mechanized paneer production. A farmer-scientist interaction session followed, where project achievements and discipline-specific interventions in water



संसाधन दक्षता के क्षेत्र में किए गए विशिष्ट उपायों पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम के दौरान एफएफपी के प्रभावों पर एक विस्तार बुलेटिन विमोचन किया गया। डॉ. दे ने जलवायु-स्मार्ट कृषि, विविधीकरण और जल के कुशल उपयोग के महत्व पर जोर दिया। किसानों के सवालों का जवाब तकनीकी सलाह के जरिए दिया गया। भाकृअनुप-सीआरआरआई के प्रधान अन्वेषक डॉ. बी. मंडल ने पिछले पाँच वर्षों में परियोजना की मुख्य उपलब्धियों को प्रस्तुत किया जिसमें प्रौद्योगिकी अपनाने, क्षमता निर्माण और आजीविका में सुधार पर विशेष ध्यान दिया गया। डॉ. एस. के. मिश्रा, डॉ. ए. के. पात्र, डॉ. जी. सी. आचार्य और डॉ. एस. सी. गिरि सहित अन्य वैज्ञानिकों ने जल प्रबंधन, फसल विविधीकरण, बागवानी और संसाधनों के कुशल उपयोग के क्षेत्रों में किए गए उपायों पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम में लगभग 80 किसानों ने भाग लिया और समापन के दौरान श्री आशीष कुमार राउत ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

देशभक्ति, गौरव और प्रगति: भाकृअनुप-सीआरआरआई में 77वें गणतंत्र दिवस का समारोह

77वें गणतंत्र दिवस 2026 के शुभ अवसर पर, भाकृअनुप-केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक में देशभक्ति, गरिमा और राष्ट्रीय गौरव की गहरी भावना गुंज उठी। भाकृअनुप-सीआरआरआई के निदेशक डॉ. जी. ए. के. कुमार ने सम्मानित स्वतंत्रता सेनानियों और राष्ट्रीय नेताओं को पुष्पांजलि अर्पित की, औपचारिक रूप से राष्ट्रीय तिरंगा फहराया और एक प्रेरणादायक संबोधन दिया, जिसमें उन्होंने गणतंत्र दिवस के गौरवशाली महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला और साथ ही संस्थान की ऐतिहासिक उपलब्धियों को भी रेखांकित किया। उन्होंने वैज्ञानिक समुदाय से आह्वान किया कि वे बदलते जलवायु परिस्थितियों के तहत उभरती चुनौतियों का सामना करने के लिए, जलवायु-अनुकूल चावल की किस्में विकसित करके और किसान-केंद्रित तकनीकों का बीड़ा उठाकर, दृढ़ संकल्प और नवाचार के साथ भविष्य की परिकल्पना करें। इस उत्सव में सम्मान और स्मरण का एक पल जोड़ते हुए, दो प्रख्यात वैज्ञानिकों—डॉ. शैलजा हितलमणि (भारत में चावल में 'मार्कर-असिस्टेड ब्रीडिंग' की अग्रणी) और डॉ. संघमित्रा सामंतराय (चावल में 'डबल्ल्ड हैप्लॉइड ब्रीडिंग' की सूत्रधार) के फोटो फ्रेम सीआरआरआई के सम्मेलन कक्ष में लगाए गए जो कि यह उनके चावल अनुसंधान में दिए गए असाधारण योगदान को समर्पित था। इस उत्सव की शोभा सीआरआरआई के कर्मचारियों और उनके परिवारजनों की उत्साहपूर्ण भागीदारी से और भी बढ़ गई, साथ ही सीआरआरआई हाई स्कूल के विद्यार्थियों की आनंदमय उपस्थिति ने भी इसमें चार चांद लगा दिए। उनकी सामूहिक भावना और जीवंत भागीदारी ने इस गंभीर और गौरवपूर्ण अवसर को गरिमा, सौहार्द और भव्यता प्रदान की।

भाकृअनुप-केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान में 'राष्ट्रीय कर्मयोगी वृहद जन सेवा कार्यक्रम' (द्वितीय चरण) का आयोजन

राष्ट्रीय कर्मयोगी बड़े पैमाने पर जन सेवा कार्यक्रम (चरण II) का आयोजन भाकृअनुप-केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक में 15 से 30 जनवरी 2026 के दौरान आठ चरणों में सफलतापूर्वक किया गया। इससे 253 कर्मचारियों को लाभ हुआ और इसके सत्र सीआरआरआई, कटक तथा भाकृअनुप-सीआरआरआई-केंद्रीय वर्षाश्रित उपराऊभूमि चावल अनुसंधान केंद्र, हजारीबाग में आयोजित किए गए। बाद में, 10 फरवरी 2026 को 9वें चरण का आयोजन किया गया, जिससे कुल 260 कर्मचारियों का प्रशिक्षण पूरा हुआ; इनमें भाकृअनुप-एनबीपीजीआर क्षेत्रीय केंद्र और भाकृअनुप-केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान के प्रतिभागी भी शामिल थे। इस कार्यक्रम का समन्वय डॉ. पी. पत्नीरसेल्वम (प्रधान वैज्ञानिक), श्री वी. गणेश कुमार (वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी और श्री ऋषि कांत सिंह (वरिष्ठ वित्त एवं लेखा अधिकारी) ने किया जिन्होंने मास्टर ट्रेनर के रूप में कार्य

management, crop diversification, and resource efficiency were highlighted.

An extension bulletin on FFP impacts was released during the programme. Dr. Dey emphasized the importance of climate-smart agriculture, diversification, and efficient water use. Farmers' queries were addressed through technical advisories.

Dr. B. Mondal, Principal Investigator, ICAR-CRRI, presented key achievements of the project over the past five years, focusing on technology adoption, capacity building, and livelihood improvement. Other scientists, including Dr. S. K. Mishra, Dr. A. K. Patra, Dr. G. C. Acharya, and Dr. S. C. Giri, highlighted interventions in water management, crop diversification, horticulture, and efficient resource use.

The programme saw active participation of around 80 farmers and concluded with a vote of thanks by Shri Ashish Kumar Rout.

Patriotism, Pride, and Progress: 77th Republic Day Celebration at ICAR-CRRI

On the auspicious occasion of the 77th Republic Day 2026, ICAR-Central Rice Research Institute (CRRI), Cuttack resonated with a profound sense of patriotism, dignity, and national pride. Dr. G.A.K. Kumar, Director, ICAR-CRRI, offered floral tributes to the revered freedom fighters and national leaders, ceremonially unfurled the National Tricolour and delivered an inspiring address, eloquently reflecting on the glorious significance of Republic Day while highlighting the landmark achievements of the institute. He called upon the scientific fraternity to envision the future with resolve and innovation by developing climate-resilient rice varieties and pioneering farmer-centric technologies to meet emerging challenges under changing climatic conditions.

Adding a moment of honour and remembrance to the celebration, photo frames of two illustrious scientists Dr. Sailaja Hitalmani, a Pioneer of Marker-Assisted Breeding in Rice in India, and Dr. Sanghamitra Samantaray, an Architect of Doubled Haploid Breeding in Rice were installed in the CRRI Conference Hall, commemorating their exceptional contributions to rice research. The celebration was further enriched by the enthusiastic participation of CRRI staff along with their family members, and the joyful presence of students from CRRI High School, whose collective spirit and vibrant involvement lent grace, warmth, and splendour to the solemn and proud occasion.

Rashtriya Karmayogi Large-Scale Jan Seva Programme (Phase II) Successfully Conducted at ICAR-Central Rice Research Institute

The Rashtriya Karmayogi Large-Scale Jan Seva Programme (Phase II) was successfully conducted at ICAR-Central Rice Research Institute (CRRI), Cuttack from 15th to 30th January 2026 in eight batches, benefiting 253 employees, with sessions held at CRRI, Cuttack and ICAR-CRRI-Central Rainfed Upland Rice Research Station (CRURRS), Hazaribagh. The 9th batch was later organized on 10th February 2026, completing the training for a total of 260 employees, including participants from ICAR-NBPGR Regional Station and ICAR-Central Soil Salinity Research Institute. The programme was coordinated by Dr. P. Panneerselvam, Principal Scientist; Shri. V. Ganesh Kumar, Senior Administrative Officer (SAO); and Shri. Rishi Kant Singh, Senior Finance and Accounts Officer



किया। भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक के निदेशक डॉ. जी ए के कुमार ने इस कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया। डॉ. बैजयंती नायक, श्री संतोष सेठी (वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी) और श्री शरत चंद्र साहू (वरिष्ठ तकनीकी सहायक) ने भी इस कार्यक्रम के आयोजन और संचालन में सहायता प्रदान की।

ओडिशा में सतत चावल विकास के लिए अनुसंधान-सरकार सहयोग को सुदृढ़ बनाना



ओडिशा सरकार के कृषि एवं खाद्य उत्पादन निदेशक, श्री शुभम सक्सेना (भाप्रसे) ने राज्य सरकार के साथ ज्ञान-गहन कार्यक्रमों में समन्वय और सहयोग को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 19 फरवरी 2026 को भाकृअनुप-केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक का आधिकारिक दौरा किया। यह बैठक भाकृअनुप-सीआरआरआई के निदेशक डॉ. जी ए के कुमार की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित की गई जिन्होंने संस्थान की प्रमुख उपलब्धियों और चल रही अनुसंधान पहलों पर प्रकाश डाला। अपनी यात्रा के दौरान, श्री सक्सेना ने अनुसंधान क्षेत्रों और प्रयोगशालाओं का दौरा किया और वैज्ञानिकों के साथ चर्चा करने में गहरी रुचि दिखाई। उन्होंने शोध समुदाय को ओडिशा में स्थायी और जलवायु-अनुकूल चावल-आधारित कृषि को बढ़ावा देने के लिए शोध-आधारित उपायों को और मजबूत करने के लिए प्रोत्साहित किया। लास्ट माइल-डिलीवरी तक पहुँच के महत्व पर जोर देते हुए, उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक तकनीकों के किसानों के खेतों तक प्रभावी ढंग से पहुँचनी चाहिए और उत्पादकता बढ़ाने, बेहतर आय सुनिश्चित करने तथा आजीविका में सुधार लाने के लिए उन्हें व्यापक रूप से अपनाया जाना चाहिए। इस दौरे ने दोनों संस्थानों की इस प्रतिबद्धता को और मजबूत किया कि वे वैज्ञानिक नवाचारों को किसान समुदायों के लिए ठोस लाभों में बदलेंगे।

जयपुर में भारतविस्तार का राष्ट्रीय शुभारंभ

भारत सरकार ने 17 फरवरी 2026 को जयपुर में इंडिया एआई इम्पैक्ट समीट, 2026 के दौरान आधिकारिक तौर पर भारत विस्तार प्रारंभ किया। 2026-27 के केंद्रीय बजट में घोषित यह प्लेटफॉर्म, कृषि अनुसंधान संस्थानों, सरकारी योजनाओं, मौसम सेवाओं और बाजार प्रणालियों के संसाधनों को एकीकृत करता है, ताकि किसानों को वास्तविक समय पर, स्थानीय और



(SFAO), who served as Master Trainers. Dr. GAK. Kumar, Director, ICAR-CRRI, Cuttack, extended his full support for the successful conduct of the programme. Dr. Baijayanti Nayak, Shri. Santhosh Sethi (Senior Technical Officer), and Shri. Sarat Chandra Sahoo (Senior Technical Assistant) also provided assistance in organizing and conducting the programme.

Strengthening Research-Government Collaboration for Sustainable Rice Development in Odisha



On 19 February 2026, Shri Shubham Saxena, IAS, Director of Agriculture and Food Production, Government of Odisha, paid an official visit to ICAR-Central Rice Research Institute, Cuttack to strengthen convergence and collaboration in knowledge-intensive programmes with the State Government. The meeting was held in the gracious presence of Dr. G.A.K. Kumar, Director, ICAR-CRRI, who highlighted the Institute's major achievements and ongoing research initiatives. During the visit, Shri Saxena visited the research fields and laboratories and expressed keen interest in interacting with the scientists.

He encouraged the research community to further strengthen research-led interventions for promoting sustainable and climate-resilient rice-based agriculture in Odisha. Emphasizing the importance of last-mile delivery, he stressed that scientific technologies must effectively reach farmers' fields and be widely adopted to enhance productivity, ensure better incomes, and improve livelihoods. The visit reinforced the commitment of both institutions towards translating scientific innovations into tangible benefits for farming communities.

National Launch of Bharat Vistaar at Jaipur

The Government of India officially launched BharatVistaar on 17 February 2026 at Jaipur during the India AI Impact Summit 2026. The platform, announced in the Union Budget 2026-27, integrates resources from agricultural research institutions, government schemes, weather services, and market systems to provide farmers with real-time, localized, and multilingual advisories, along with credit, insurance, and market informa-

बहुभाषी सलाह के साथ-साथ ऋण, बीमा और बाजार की जानकारी प्रदान की जा सके। इस शुभारंभ समारोह का नेतृत्व माननीय केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, राजस्थान के माननीय मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों, वैज्ञानिकों और अन्य हितधारकों ने किया। डेयर के सचिव और आईसीएआर के महानिदेशक, डॉ. एम. एल. जाट ने भारतीय कृषि में बदलाव लाने और किसानों की उत्पादकता व लचीलेपन को बढ़ाने के लिए "कृषि में कृत्रिम बुद्धिमत्ता" के महत्व पर प्रकाश डाला। इस शुभारंभ कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भाकृअनुप-केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान में देखा गया, जहाँ निदेशक डॉ. जी ए के कुमार और संस्थान के अन्य कर्मचारी इस राष्ट्रीय शुभारंभ कार्यक्रम में उपस्थित थे।



tion. The launch ceremony was led by Hon'ble Union Minister Shri Shivraj Singh Chouhan, Rajasthan Hon'ble Chief Minister Bhajan Lal Sharma, senior state officials, scientists, and other stakeholders. The Secretary, DARE & Director General of ICAR, Dr. M. L. Jat, highlighted the importance of "AI in Krishi" for transforming Indian agriculture and enhancing farmers' productivity and resilience. The live launch event was virtually observed at ICAR-Central Rice Research Institute, where Director Dr. G.A.K. Kumar and staff members joined to witness the national launch.

आरटीआईआईएस-2026 द्वारा चावल क्षेत्र में अनुसंधान-उद्योग तालमेल की मजबूती



भाकृअनुप-केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक ने चावल अनुसंधान कार्यकर्ता संघ, कटक के सहयोग से अपने परिसर में राष्ट्रीय राइसटेक उद्योग नवाचार शिखर सम्मेलन (आईटीआईआईएस-2026) का सफलतापूर्वक आयोजन किया। यह आयोजन चावल अनुसंधान और उद्योग के बीच तालमेल को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ। इस कार्यक्रम का विषय था "चावल विज्ञान को बड़े पैमाने पर लागू होने वाले औद्योगिक समाधानों में बदलना"। इस शिखर सम्मेलन को आईपी एवं टीएम इकाई, आईसीएआर, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित किया गया था और इसमें पूरे देश से संबंधित पक्षों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस शिखर सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में उद्योग, कौशल विकास और तकनीकी शिक्षा के माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), श्री संपद चंद्र स्वाई की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक (कटक सदर) इंजीनियर प्रकाश चंद्र सेठी और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की सहायक महानिदेशक (आईपी एवं टीएम) डॉ. नीरू भूषण शामिल हुए तथा भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक के निदेशक डॉ. जी ए के कुमार ने की कार्यक्रम की अध्यक्षता की। अपने उद्घाटन भाषण में, श्री संपद चंद्र स्वाई ने नवाचारों को व्यावहारिक और किसानों के अनुकूल समाधानों में बदलने के लिए अनुसंधान संस्थानों और उद्योग के बीच घनिष्ठ सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने ओडिशा की कृषि प्रगति को आगे बढ़ाने में भाकृअनुप-सीआरआरआई की भूमिका पर प्रकाश डाला और ओडिशा सरकार की ओर से निरंतर सहयोग का आश्वासन दिया। डॉ. नीरू भूषण ने प्रभावी बोद्धिक संपदा प्रबंधन के महत्व पर जोर दिया और कहा कि वैज्ञानिक नवाचारों को बाजार के लिए तैयार, किसान-केंद्रित समाधानों में बदलने के लिए मजबूत उद्योग-अनुसंधान संबंध अत्यंत महत्वपूर्ण हैं; वहीं, इंजीनियर प्रकाश चंद्र सेठी ने कृषि-औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने तथा किसानों की आय और ग्रामीण आजीविका को बेहतर बनाने के लिए नवाचार, कौशल विकास और उद्यमिता की आवश्यकता को रेखांकित किया। इस शिखर सम्मेलन में चावल की अनुकूल किस्में, संसाधन-कुशल उत्पादन प्रणालियाँ, स्मार्ट मशीनीकरण, बाजार-उन्मुख

RTIIS-2026 Strengthens Research-Industry Synergy in Rice Sector



The ICAR-Central Rice Research Institute, Cuttack, in collaboration with the Association of Rice Research Workers, Cuttack, successfully organized the National RiceTech Industry Innovation Summit (RTIIS-2026) at its campus, marking a significant milestone in strengthening the synergy between rice research and industry. The theme of this programme was "Transforming Rice Science into Scalable Industry Solutions", the summit was sponsored by the IP&TM Unit, ICAR, New Delhi and witnessed enthusiastic participation from stakeholders across the country. The summit was graced by Shri Sampad Chandra Swain, Hon'ble Minister of State (Independent Charge) for Industries, Skill Development, and Technical Education, as the Chief Guest. Er. Prakash Chandra Sethi, MLA (Cuttack Sadar) and Dr. Neeru Bhooshan, Assistant Director General (IP&TM), Indian Council of Agricultural Research, attended as Guests of Honour, while the programme was presided over by Dr. G.A.K. Kumar, Director, ICAR-CRRI, Cuttack. In his inaugural address, Shri Sampad Chandra Swain emphasized the need for closer collaboration between research institutions and industry to translate innovations into practical, farmer-friendly solutions. He highlighted the role of ICAR-CRRI in advancing Odisha's agricultural progress and assured continued support from the Government of Odisha. Dr. Neeru Bhooshan stressed the importance of effective intellectual property management and strong industry-research linkages are crucial for transforming scientific innovations into market-ready, farmer-centric solutions, while, Er. Prakash Chandra Sethi underlined the need for innovation, skill development, and entrepreneurship to strengthen the agri-industrial ecosystem and enhance farmers' income and rural livelihoods. The summit featured technical sessions on key themes such as

प्रसंस्करण, डिजिटल विस्तार और संकर चावल प्रौद्योगिकियों जैसे प्रमुख विषयों पर तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। वैज्ञानिकों, उद्योग जगत के नेताओं, कृषि-तकनीकी उद्यमों, स्टार्ट-अप्स, नीति निर्माताओं और विकास एजेंसियों सहित 250 से अधिक प्रतिनिधियों की भागीदारी के साथ, इस शिखर सम्मेलन ने ज्ञान के आदान-प्रदान और साझेदारी निर्माण के लिए एक जीवंत मंच प्रदान किया। इसके मुख्य आकर्षणों में प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन, इंटरैक्टिव बिजनेस टू बिजनेस बैठकें, समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर और भविष्य के रोडमैप पर रणनीतिक चर्चाएँ शामिल थीं; इन सभी ने चावल क्षेत्र में अनुसंधान-उद्योग संबंधों को मजबूत करने तथा सतत विकास और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। इस शिखर सम्मेलन का सुव्यवस्थित समन्वय डॉ. एम.के. कर के नेतृत्व में (अध्यक्ष के रूप में) किया गया, जिसमें डॉ. बिस्वजीत मंडल और डॉ. अरूप कुमार मुखर्जी ने सह-अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। आयोजन संबंधी जिम्मेदारियों को आयोजन सचिवों डॉ. सुतपा सरकार और डॉ. आर.एल. वर्मा द्वारा कुशलतापूर्वक संभाला गया, जिन्होंने सह-आयोजन सचिव डॉ. अन्नमलाई एम. और श्री चिन्मय राउत का सहयोग प्राप्त हुआ; इनके समर्पित प्रयासों ने आरटीआईआईएस-2026 के सुचारू और सफल आयोजन को सुनिश्चित किया।

बदलाव का नेतृत्व : भाकृअनुप-सीआरआरआई ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2026 मनाया



भाकृअनुप-केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक ने 8 मार्च 2026 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। यह कार्यक्रम भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक के निदेशक डॉ. जी ए के कुमार की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में फसल सुरक्षा प्रभाग की पूर्व अध्यक्ष और भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक की एमरिटस वैज्ञानिक डॉ. मायाबिनी जेना उपस्थित थीं। अपने संबोधन में, मुख्य अतिथि ने महिला सशक्तिकरण पर जोर दिया और उन चुनौतियों को रेखांकित किया जो लैंगिक समानता की प्राप्ति में बाधा डालती हैं। उन्होंने यह भी बताया कि संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2026 को 'महिला किसान का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष' घोषित किया है, जिसके माध्यम से कृषि, खाद्य सुरक्षा और सतत विकास में महिला किसानों के महत्वपूर्ण योगदान को मान्यता दी गई है। डॉ. सबिता मिश्र, (सेवानिवृत्त प्रधान वैज्ञानिक, भाकृअनुप-सीआईडब्ल्यूए; गेम और फेम (गैर-सरकारी संगठन) की संस्थापक; तथा आईसी, सीआरआरआई, कटक की सदस्य) ने 'विशिष्ट अतिथि' के रूप में इस अवसर की शोभा बढ़ाई। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एक समावेशी, समतापूर्ण और टिकाऊ समाज के निर्माण के लिए 'जेडर मेनस्ट्रीमिंग' (लैंगिक मुख्यधारा) अत्यंत आवश्यक है। डॉ. जी ए के कुमार ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में, जीवन के सभी क्षेत्रों में और हर समय लैंगिक समानता स्थापित करने का आह्वान किया। डॉ. एम के कर (प्रधान वैज्ञानिक, भाकृअनुप-सीआरआरआई और आंतरिक समिति के पीठासीन अधिकारी) ने स्वागत भाषण दिया, जबकि डॉ. सुदीप्त पॉल (वरिष्ठ वैज्ञानिक, भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक) ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस कार्यक्रम का संचालन डॉ. पी संघमित्रा (वरिष्ठ वैज्ञानिक, भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक) ने किया।

भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक में पीएम किसान सम्मान निधि 2026 का प्रसारण

भारत के माननीय प्रधानमंत्री द्वारा पीएम किसान सम्मान निधि की 22वीं किस्त जारी किए जाने का प्रसारण 13 मार्च 2026 को भाकृअनुप-केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक में किया गया। भाकृअनुप-केंद्रीय चावल

resilient rice varieties, resource-efficient production systems, smart mechanization, market-oriented processing, digital extension, and hybrid rice technologies. With participation of over 250 delegates, including scientists, industry leaders, agri-tech enterprises, start-ups, policymakers, and development agencies, the summit provided a vibrant platform for knowledge exchange and partnership building. Major highlights included technology showcasing, interactive B2B meetings, signing of MoUs, and strategic discussions on future roadmaps, reaffirming the institute's commitment to strengthening research-industry linkages and promoting sustainable growth and global competitiveness in the rice sector. The summit was meticulously coordinated under the leadership of Dr. M.K. Kar as Chairperson, with Dr. Biswajit Mondal and Dr. Arup Kumar Mukherjee serving as Co-Chairpersons. The organizational responsibilities were efficiently handled by Organizing Secretaries Dr. Sutapa Sarkar and Dr. R.L. Verma, with support from Co-Organizing Secretary Dr. Annamalai M. and Mr. Chinmaya Rout, whose dedicated efforts ensured the smooth and successful conduct of RTIIS-2026.

Leading the Change: ICAR-CRRI Celebrates International Women's Day 2026



International Women's Day was celebrated at ICAR – Central Rice Research Institute, Cuttack on 8 March 2026 under the chairmanship of Dr. G.A.K. Kumar, Director, ICAR-CRRI, Cuttack. The occasion was graced by Dr. Mayabini Jena, Former Head, Crop Protection Division and Emeritus Scientist, ICAR-CRRI, Cuttack, as the Chief Guest. In her address, the Chief Guest emphasized women's empowerment and highlighted the challenges that hinder the realization of gender equality. She also mentioned that 2026 has been declared by the United Nations as the *International Year of the Woman Farmer*, recognizing the vital contributions of women farmers to agriculture, food security, and sustainable development.

Dr. Sabita Mishra, Retd. Principal Scientist, ICAR-CIWA, Founder of GAME and FAME(NGO), and Member of IC, CRRI, Cuttack has graced the occasion as Guest of Honour and highlighted that gender mainstreaming is essential for building and inclusive, equitable, and sustainable society. Dr. G.A.K Kumar, in his presidential address, called for gender equalization in all spheres of life at all times. Dr. M. K. Kar, Principal Scientist, ICAR-CRRI and Presiding Officer, Internal Committee, delivered the welcome address, while Dr. Sudipta Paul, Senior Scientist, ICAR-CRRI, Cuttack proposed the vote of thanks. The programme was moderated by Dr. P Sanghamitra, Senior Scientist, ICAR-CRRI, Cuttack.

PM Kisan Samman Nidhi 2026 telecast at ICAR-CRRI, Cuttack

The release of 22nd installment of PM Kisan Samman Nidhi by Hon'ble Prime Minister of India was telecasted on 13 March 2026 at ICAR-Central Rice Research Institute, Cuttack, Dr. G.A.K. Kumar, Director of ICAR-Central Rice Research

अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. जी ए के कुमार ने विभिन्न प्रभागों के अध्यक्षों के साथ इस कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम में लगभग 147 किसानों और विभिन्न प्रभागों/अनुभागों के अधिकारियों ने भाग लिया और असम के गुवाहाटी से माननीय प्रधानमंत्री द्वारा किस्त की ऑनलाइन जारी को देखा। माननीय प्रधानमंत्री ने 'किसान सम्मान निधि' के महत्व का वर्णन किया और छोटे तथा सीमांत किसानों के विकास पर भी जोर दिया। इस कार्यक्रम का समन्वय वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. पी.सी. जेना और वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एन.एन. जोषुलकर ने किया।



Senior Scientist.

Institute, along with heads of various departments, participated in the programme. About 147 farmers and officials of various departments/ sections attended the event and witnessed the online release of the installment by the Hon'ble Prime Minister from Guwahati, Assam. Hon'ble Prime Minister described the importance of Kisan Samman Nidhi and also emphasis for the development of small and marginal farmers. The event was coordinated by Dr. P.C. Jena, Senior Scientist and Dr. N.N. Jambhulkar,

भाकृअनुप-सीआरआरआई में 38वीं संस्थान प्रबंधन समिति की बैठक में रणनीतिक रोडमैप तैयार किया गया

भाकृअनुप-केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान की 38वीं संस्थान प्रबंधन समिति की बैठक 16 मार्च 2026 को भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक के निदेशक डॉ. जी ए के कुमार की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में विशेषज्ञों और हितधारकों ने ऑनलाइन मोड और प्रत्यक्ष दोनों माध्यमों से भाग लिया। इसका उद्देश्य वर्ष 2025-26 के लिए रणनीतिक प्राथमिकताओं की रूपरेखा तैयार करना था। बैठक में प्रमुख सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया, जिनमें डॉ. सी एम खांडा (कुलपति, ओयूएटी के प्रतिनिधि के रूप में), डॉ. विजय पाल भड्डाना (संयुक्त निदेशक, भाकृअनुप-आईआईएबी), डॉ. सी. बिस्वास (प्रधान वैज्ञानिक, भाकृअनुप-सीआरआईजेएफ), डॉ. ए. मणिवन्नन (प्रधान वैज्ञानिक, भाकृअनुप-आईएआरआई), डॉ. संजीव पंवार (प्रधान वैज्ञानिक, भाकृअनुप मुख्यालय) और श्री प्रभात कुमार नायक (वित्त एवं लेखा अधिकारी, भाकृअनुप-सीआईडब्ल्यूए) शामिल थे। ऑनलाइन माध्यम से जुड़ने वालों में डॉ.एस के प्रधान (सहायक महानिदेशक, खाद्य एवं चारा फसल, आईसीएआर) और श्री अमिया कुमार साहू (जो कृषक समुदाय का प्रतिनिधित्व कर रहे थे) शामिल थे। समिति ने कई अहम पहलों को मंजूरी दी, जिनमें जलवायु-प्रतिरोधी चावल की किस्मों के विकास में तेजी लाने के लिए 'स्पीड ब्रीडिंग फॅसिलिटी' की स्थापना; किसानों तक अच्छी गुणवत्ता के बीज और प्रौद्योगिकी की पहुंच बढ़ाने के लिए 'टेक्नोलॉजी कैफेटेरिया' और 'एटिक सेल काउंटर' का निर्माण; और ट्रेनिंग व सहयोग को मजबूत करने के लिए 'बहुउद्देशीय गतिविधि केंद्र' का विकास शामिल है। कर्मचारियों के कल्याण के लिए कई उपायों को भी मंजूरी दी गई, जैसे कि 'केंद्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना' में शामिल अस्पतालों में केशलेस मेडिकल सेवाएं और क्षेत्रीय स्वास्थ्य केंद्रों को इस योजना में शामिल करना। समिति ने जलवायु-प्रतिरोधी और पोषक तत्वों से भरपूर (बायो-फर्टिलाइड) चावल की किस्मों पर प्राथमिकता के आधार पर शोध, क्षेत्रीय स्तर पर खेतर परीक्षण, 'राइसएक्सपर्ट' ऐप जैसी डिजिटल पहलें और बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण पर भी जोर दिया; इस तरह संस्थान ने उन्नत शोध, किसानों तक पहुंच और संस्थागत विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को फिर से दोहराया। सत्र का समापन वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी और सदस्य सचिव श्री वी. गणेश कुमार के संबोधन के साथ हुआ, जिन्होंने चावल के क्षेत्र में अग्रणी शोध को आगे बढ़ाने और प्रशासनिक उत्कृष्टता को मजबूत करने के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता को एक बार फिर दोहराया।



38th Institute Management Committee Meeting Charts Strategic Roadmap at ICAR-CRRI

The 38th Institute Management Committee (IMC) Meeting of ICAR-Central Rice Research Institute was held on 16 March 2026 under the chairmanship of Dr. G.A.K. Kumar, Director, ICAR-CRRI, Cuttack bringing together experts and stakeholders in a hybrid mode to outline strategic priorities for 2025-26. The meeting saw active participation from key members, including Dr. C.M. Khanda (Representing the Vice-Chancellor, OUAT), Dr. Vijay Pal Bhadana (Joint Director, ICAR-IIAB), Dr. C. Biswas (Principal Scientist, ICAR-CRIJAF), Dr. S. Mannivannan (Principal Scientist, ICAR-IARI), Dr. Sanjeev Panwar (Principal Scientist, ICAR Hqrs), and Shri Prabhat Kumar Nayak (F&AO, ICAR-CIWA). Joining via online mode were Dr. S.K. Pradhan (ADG, FFC, ICAR) and Shri Amiya Kumar Sahu, representing the farming community.

The Committee approved key initiatives including the establishment of a Speed Breeding Facility to accelerate development of climate-resilient rice varieties, creation of a Technology Cafeteria and ATIC Sale Counter to enhance farmer access to quality seeds and technologies, and development of a Multipurpose Activity Facility to strengthen training and collaboration. Several staff welfare measures, such as cashless medical services at Central Government Health Scheme (CGHS)-empanelled hospitals and empanelment of regional healthcare facilities, were also ratified. The Committee further emphasized priority research on climate-resilient and bio-fortified rice varieties, regional field trials, digital initiatives including the RicExpert app, and modernization of infrastructure, reaffirming the institute's commitment to advanced research, farmer outreach, and institutional development. The session concluded with remarks by Shri V. Ganesh Kumar, Senior Administrative Officer and Member Secretary who reaffirmed the institute's commitment to advancing pioneering rice research and strengthening administrative excellence.

परंपरा और स्वाद का उत्सव: भाकृअनुप-सीआरआरआई द्वारा 'पखाल पर्व 2026' में चावल की विविधता का प्रदर्शन

ओडिशा पर्यटन विभाग द्वारा 19-20 मार्च को भुवनेश्वर के पंथनिवास में आयोजित 'पखाल पर्व 2026' का भव्य समारोह, संस्कृति, विज्ञान और नवाचार को एक जीवंत मंच पर एक साथ ले आया। भाकृअनुप-केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक ने अपनी भागीदारी के माध्यम से एक महत्वपूर्ण प्रभाव डाला और भविष्य के पोषण तथा उद्यमिता में पारंपरिक खाद्य पदार्थों की भूमिका को रेखांकित किया। पहले दिन, भाकृअनुप-सीआरआरआई के निदेशक डॉ. जी ए के कुमार ने "ओडिया पाक-कला

Celebrating Tradition and Taste: ICAR-CRRI Showcases Rice Diversity at Pakhala Parab 2026

The grand celebration of *Pakhala Parab 2026*, organized by the Odisha Tourism Department at Panthanivas, Bhubaneswar during 19-20 March, brought together culture, science, and innovation on a vibrant platform. ICAR-Central Rice Research Institute (CRRI), Cuttack made a significant impact through its participation, highlighting the role of traditional foods in future nutrition and entrepreneurship. On the first



विरासत को पुनर्जीवित करना: पखाल पर्व से वैश्विक पटल तक" विषय पर मुख्य भाषण दिया जिसमें उन्होंने पारंपरिक खाद्य पदार्थों की, कार्यात्मक और जलवायु-अनुकूल आहार के रूप में, वैश्विक प्रासंगिकता पर जोर दिया। सीआरआरआई के स्टॉल ने चावल की समृद्ध विविधता और चावल से बने नए-नए मूल्य संवर्धित उत्पादों के प्रदर्शन से सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। दूसरे दिन का एक खास आकर्षण था विशेष किस्म के चावल से तैयार 'पखाल' की 15 अलग-अलग किस्मों का प्रदर्शन, जिसने पारंपरिक भोजन प्रणालियों में चावल की विविधता के वैज्ञानिक महत्व को उजागर किया।

इस कार्यक्रम ने 'किण्वित चावल' (पखाल) की सबसे बड़ी मात्रा परोसने का गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाकर एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। एक और खास बात थी ओडिशा के माननीय मुख्यमंत्री श्री मोहन माझी का दौरा; उन्होंने सीआरआरआई की टीम से बातचीत की और चावल की विविधता, मूल्य संवर्धन और उद्यमिता के अवसरों को बढ़ावा देने की दिशा में संस्थान के प्रयासों की सराहना की। डॉ. सुतपा सरकार और डॉ. एम. शिवशंकर ने इस कार्यक्रम में भाकृअनुप-सीआरआरआई का प्रतिनिधित्व किया और आगंतुकों के साथ सक्रिय रूप से बातचीत करते हुए, चावल-आधारित पारंपरिक खाद्य पदार्थों के पोषण और स्वास्थ्य लाभों के बारे में जानकारी दी।

अनुसंधान और विकास पहलों को समझने के लिए उत्तराखंड के पत्रकारों का केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान का दौरा

उत्तराखंड के 15 वरिष्ठ पत्रकारों का एक प्रतिनिधिमंडल, प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) के अधिकारियों के साथ, 24 मार्च 2026 को भाकृअनुप-केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक का दौरा किया। इस दौरे का उद्देश्य चावल के क्षेत्र में संस्थान द्वारा किए जा रहे अनुसंधान और तकनीकी प्रगति के बारे में जानकारी प्राप्त करना था। कार्यक्रम की शुरुआत भाकृअनुप-केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. प्रताप भट्टाचार्य के स्वागत भाषण से हुई, जिसके बाद संस्थान के उद्देश्य और उपलब्धियों पर एक प्रस्तुति दी गई। सीआरआरआई ने चावल की 194 किस्में विकसित की हैं, जिनमें तनाव-सहिष्णु और बायोफोर्टिफाइड किस्में शामिल हैं; ये किस्में भारत के 22% से अधिक क्षेत्र में चावल की खेती होती हैं और इनसे महत्वपूर्ण आर्थिक लाभ प्राप्त होता है। प्रदर्शित की गई प्रमुख नवाचारों में जीनोम एडिटिंग टूल्स (TnpB), पुआल के पुनः उपयोग की तकनीकें, एआई-आधारित सटीक कृषि, डीन के अनुप्रयोग और राइसएक्पर्ट सलाहकार मंच शामिल थे। संस्थान ने कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाले चावल, मीथेन कम करने वाले मेथनोटॉफ फार्मिलेशन और नाइट्रोजन-कुशल तकनीकों के क्षेत्र में हुए विकास को भी रेखांकित किया। एक विचार-विनिमय सत्र में जलवायु-अनुकूल कृषि, जैविक खेती और जीआई-टैग वाले चावल से जुड़े सवालों के जवाब दिए गए। प्रतिनिधिमंडल ने उन्नत प्रयोगशालाओं और अनुसंधान क्षेत्रों का दौरा किया, और वहाँ चल रहे कार्यों को प्रत्यक्ष रूप से देखे। इस दौरे से सीआरआरआई के योगदान के प्रति जागरूकता बढ़ी और कृषि तकनीकों को किसान समुदायों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए मीडिया के साथ मजबूत संबंध बनाने में मदद मिली।



day, Dr. G.A.K. Kumar, Director, ICAR-CRRI, delivered the keynote address on "Revitalizing Odia Culinary Heritage: From Pakhala Parab to Global Plates", emphasizing the global relevance of traditional foods as functional and climate-resilient diets.

The CRRI stall attracted wide attention with its display of rich rice diversity and innovative value-added rice products. On the second day, a special highlight was the presentation of 15 varieties of Pakhala prepared from specialty rice, showcasing the scientific significance of rice diversity in traditional food systems.

The event achieved a remarkable milestone by setting a Guinness World Record for the largest serving of fermented rice (Pakhala). A key highlight was the visit of Shri Mohan Majhi, Hon'ble Chief Minister of Odisha, who interacted with the CRRI team and appreciated the institute's efforts in promoting rice diversity, value addition, and entrepreneurial opportunities.

Dr. Sutapa Sarkar and Dr. M. Sivashankari represented ICAR-CRRI at the event and actively engaged with visitors, explaining the nutritional and health benefits of rice-based traditional foods.

Visit of Journalists from Uttarakhand to ICAR-Central Rice Research Institute to Understand Research and Development Initiatives

A delegation of 15 senior journalists from Uttarakhand, along with officials from the Press Information Bureau (PIB), visited ICAR-Central Rice Research Institute (CRRI), Cuttack on 24 March 2026, to gain insights into its research and technological advancements in rice. The programme began with a welcome address by the Director, ICAR-Central Rice Research Institute, Dr. Pratap Bhattacharya, followed by a presentation on the institute's mandate and achievements. CRRI has developed 194 rice varieties, including stress-tolerant and biofortified types, covering over 22% of India's rice area with significant economic returns.

Key innovations showcased included genome editing tools (TnpB), straw reuse technologies, AI-based precision agriculture, drone applications, and the RiceXpert advisory platform. The institute also highlighted developments in low glycaemic index rice, methane-reducing methanotroph formulations, and nitrogen-efficient technologies.

An interactive session addressed queries on climate-resilient agriculture, organic farming, and GI-tagged rice. The delegation visited advanced laboratories and research fields, gaining first-hand exposure to ongoing work. The visit strengthened awareness of CRRI's contributions and fostered stronger media linkages for effective dissemination of agricultural technologies to farming communities.

प्रशिक्षण कार्यक्रम

इस अवधि के दौरान संस्थान, क्षेत्रीय केंद्रों एवं कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

Training Programmes

During the period following training programmes were organized by the institute, regional stations and KVKs.

Title of the training	Duration/Date	Course Director & Coordinators	Sponsor	No. of participants
Scientific Poultry Farming	2 January 2026	Dr. R.K. Mohanta	ICAR	25
Scientific Dairy Management for Higher Income Generation	13 January 2026	Dr. R.K. Mohanta	ICAR	25
Integrated Pest and Disease Management in Rice	14 January 2026	Dr. Rajan Kamboj	ICAR	25
Integrated Pest and Disease Management in Tomato	15 January 2026	Dr. Rajan Kamboj	ICAR	25
Parasitic Infestations and their management in livestock	15 January 2026	Dr. R.K. Mohanta	ICAR	25
Improved Paddy Production Technologies under Climate Change Scenario	19-21 January 2026	Dr. Biswajit Mondal, Dr. N.N. Jambhulkar, and Dr. Gayatri Sinha	ATMA, Saraikela, Jharkhand	25
Integrated Pest and Disease Management in Tomato	23 January 2026	Dr. Rajan Kamboj	ICAR	25
Integrated Pest and Disease Management in Tomato	27 January 2026	Dr. Rajan Kamboj	ICAR	25
One Day Training Programme for Registered Fertilizer Dealers of Jagatsinghpur on Developing a Model Supply Chain for CRRI-Quality Bioinoculants to the Farming Community of Odisha	29 January 2026	Dr. Upendra Kumar, Dr. A.K. Mukherjee, and Dr. Sudipta Paul	Jaiva-Poshak' project, funded by the Department of Agriculture and Farmers' Empowerment (DAFE), Government of Odisha	32
One Day Training Programme for Registered Fertilizer Dealers of Dhenkanal on Developing a Model Supply Chain for CRRI-Quality Bioinoculants to the Farming Community of Odisha	30 January 2026	Dr. Upendra Kumar, Dr. A.K. Mukherjee, and Dr. Sudipta Paul	Jaiva-Poshak' project, funded by the Department of Agriculture and Farmers' Empowerment (DAFE), Government of Odisha	33
Integrated Pest and Disease Management in Tomato	30 January 2026	Dr. Rajan Kamboj	ICAR	25
One Day Training Programme for Registered Fertilizer Dealers of Ganjam on Developing a Model Supply Chain for CRRI-Quality Bioinoculants to the Farming Community of Odisha	02 February 2026	Dr. Upendra Kumar, Dr. A.K. Mukherjee, and Dr. Sudipta Paul	Jaiva-Poshak' project, funded by the Department of Agriculture and Farmers' Empowerment (DAFE), Government of Odisha	26
One Day Training Programme for Registered Fertilizer Dealers of Nabrangpur on Developing a Model Supply Chain for CRRI-Quality Bioinoculants to the Farming Community of Odisha	03 February 2026	Dr. Upendra Kumar, Dr. A.K. Mukherjee, and Dr. Sudipta Paul	Jaiva-Poshak' project, funded by the Department of Agriculture and Farmers' Empowerment (DAFE), Government of Odisha	14
Clean milk production	03 February 2026	Dr. R.K. Mohanta	ICAR	25
One Day Training Programme for Registered Fertilizer Dealers of Koraput on Developing a Model Supply Chain for CRRI-Quality Bioinoculants to the Farming Community of Odisha	04 February 2026	Dr. Upendra Kumar, Dr. A.K. Mukherjee, and Dr. Sudipta Paul	Jaiva-Poshak' project, funded by the Department of Agriculture and Farmers' Empowerment (DAFE), Government of Odisha	33

One Day Training Programme for Registered Fertilizer Dealers of Bhadrak on Developing a Model Supply Chain for CRRI-Quality Bioinoculants to the Farming Community of Odisha	05 February 2026	Dr. Upendra Kumar, Dr. A.K. Mukherjee, and Dr. Sudipta Paul	Jaiva-Poshak' project, funded by the Department of Agriculture and Farmers' Empowerment (DAFE), Government of Odisha	27
One Day Training Programme for Registered Fertilizer Dealers of Jharsuguda on Developing a Model Supply Chain for CRRI-Quality Bioinoculants to the Farming Community of Odisha	06 February 2026	Dr. Upendra Kumar, Dr. A.K. Mukherjee, and Dr. Sudipta Paul	Jaiva-Poshak' project, funded by the Department of Agriculture and Farmers' Empowerment (DAFE), Government of Odisha	25
One Day Training Programme for Registered Fertilizer Dealers of Bargarh on Developing a Model Supply Chain for CRRI-Quality Bioinoculants to the Farming Community of Odisha on	09 February 2026	Dr. Upendra Kumar, Dr. A.K. Mukherjee, and Dr. Sudipta Paul	Jaiva-Poshak' project, funded by the Department of Agriculture and Farmers' Empowerment (DAFE), Government of Odisha	48
One Day Training Programme for Registered Fertilizer Dealers of Cuttack on Developing a Model Supply Chain for CRRI-Quality Bioinoculants to the Farming Community of Odisha	10 February 2026	Dr. Upendra Kumar, Dr. A.K. Mukherjee, and Dr. Sudipta Paul	Jaiva-Poshak' project, funded by the Department of Agriculture and Farmers' Empowerment (DAFE), Government of Odisha	45
One Day Training Programme for Registered Fertilizer Dealers of Cuttack on Developing a Model Supply Chain for CRRI-Quality Bioinoculants to the Farming Community of Odisha	11 February 2026	Dr. Upendra Kumar, Dr. A.K. Mukherjee, and Dr. Sudipta Paul	Jaiva-Poshak' project, funded by the Department of Agriculture and Farmers' Empowerment (DAFE), Government of Odisha	40
Clean milk production	13 February 2026	Dr. R.K. Mohanta	ICAR	25
Sustainable Pest Control in Okra	13 February 2026	Dr. Rajan Kamboj	ICAR	25
Clean milk production	16 February 2026	Dr. R.K. Mohanta	ICAR	25
Scientific Dairy Management	17 February 2026	Dr. R.K. Mohanta, Dr. P.C. Jena	SCSP, ICAR-CRRI	105
Integrated Management Strategies for Diseases, Insect Pests, and Nematodes in Direct-Seeded Rice Ecosystems of Odisha	17.02.26 to 21.02.26	Dr. Rupak Jena, Dr. SD Mohapatra, Dr. Raghu S, and Dr. Keertana U	Government of Odisha under "Innovative projects Scheme	28
Clean milk production	19 February 2026	Dr. R.K. Mohanta	ICAR	25
Balanced feed formulation for livestock	23 February 2026	Dr. R.K. Mohanta	ICAR	25
Operation, Repair and Maintenance of Thresher, Small Rice Mill and Pulveriser	26 February 2026	Dr. P.C. Jena, Dr. S. Priyadarsani, Dr. M. Debanath, Dr. NN Jambhulkar	Enhancing Farm Profitability through Improved Mechanical Interventions and Creating Local Repair, Maintenance and Overhauling Centres (RMOs) in Selected Districts of Odisha (EAP-451)	24
Balanced feed formulation for livestock	10 March 2026	Dr. R.K. Mohanta	ICAR	25
Scientific Dairy Management	11 March 2026	Dr. R.K. Mohanta, Dr. P.C. Jena	SCSP, ICAR-CRRI	109

A Farmers' Workshop on Technology Adoption in Rice-Based Production Systems	13 March 2026	Dr. S. Paul and Dr. B. Mondal	NASF-funded Project (EAP 435) titled "Developing Simulation Model of Technology Diffusion (TechSIM), Adoption & Impact for Forecasting Using Techno-Socio-Psycho-Economic-Ecological Factors	70
Scientific Dairy Management	13 March 2026	Dr. R.K. Mohanta, Dr. P.C. Jena	SCSP, ICAR-CRRI	116
Quality Testing of Biopesticides	9-13 March 2026	Dr. Raghu S welcomed the trainees and Dr. Keerthana U	Department of Agriculture and Farmers' Empowerment, Government of Odisha	15
Scientific Dairy Management	16 March 2026	Dr. R.K. Mohanta, Dr. P.C. Jena	SCSP, ICAR-CRRI	139
Scientific Dairy Management	17 March 2026	Dr. R.K. Mohanta, Dr. P.C. Jena	SCSP, ICAR-CRRI	107
A Review Workshop-cum-Training on Social Simulation	17 March 2026	Dr. GAK Kumar, Dr. S. Paul and Dr. B. Mondal	NASF-funded Project (EAP 435) titled "Developing Simulation Model of Technology Diffusion (TechSIM), Adoption & Impact for Forecasting Using Techno-Socio-Psycho-Economic-Ecological Factors	25
Field Day-cum-Awareness Programme" on nematodes in mechanized direct-seeded rice (DSR) and their management through biocontrol agents	20 March 2026	Dr. Rupak Jena	<i>Challenging the Plant Rhizospheric Enemies: An Innovative Solution to Manage Nematode Problems in Mechanized Direct-Seeded Rice-Based Cropping System in Odisha</i> ", sponsored by the Government of Odisha under the state plan Innovative scheme.	200
Scientific Dairy Management	19-23 March 2026	Dr. R.K. Mohanta	SCSP, KVK Cuttack	30
Commercial Nursery and it's Scientific Management	23 - 25 March 2026	Dr. D.R. Sarangi	ARYA (EAP-291)	30
Sustainable Mushroom Cultivation & Value Addition	25 - 27 March 2026	Dr. Rajan Kamboj	ARYA (EAP-291)	30

प्रदर्शनी में प्रतिभागिता

भाकू अनुप-केन्द्रीय चावल अनुसंधान संस्थान ने इस अवधि के दौरान विभिन्न कृषि प्रदर्शनियों में भाग लिया और किसानों और हितधारकों को लाभान्वित करने के लिए उन्नत चावल उत्पादन प्रौद्योगिकियों और नवाचारों का प्रदर्शन किया।

भाकू अनुप-भारतीय जल प्रबंधन संस्थान, भुवनेश्वर में 22-24 जनवरी 2026 के दौरान हरित कृषि के लिए एग्रोफिजिक्स में नवाचारों पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया।

बरमुंडा, भुवनेश्वर में 22-24 जनवरी 2026 के दौरान आयोजित कृषि ओडिशा में भाग लिया।

इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिक्स, भुवनेश्वर में 29-30 जनवरी 2026 के दौरान आयोजित दो-दिवसीय राजभाषा उत्सव और प्रदर्शनी में भाग लिया।

Participation in Exhibition

ICAR-Central Rice Research Institute (CRRI) actively participated in various agricultural exhibitions during the period, showcasing advanced rice production technologies and innovations to benefit farmers and stakeholders.

National Seminar on Innovations in Agrophysics for Green Agriculture, held from 22-24 January 2026 at ICAR-Indian Institute of Water Management (IIWM), Bhubaneswar.

Krushi Odisha held from 22-24 January 2026 at Baramunda, Bhubaneswar

The two-day Official Language Festival and Exhibition held at the Institute of Physics, Bhubaneswar during 29-30 January 2026.

भाकृअनुप-आईआईएचआर-सीएचईएस, भुवनेश्वर, ओडिशा में 29-30 जनवरी 2026 के दौरान एग्री विजन 2026: खाद्य सुरक्षा के लिए सतत कृषि पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक में 25 फरवरी 2026 को आयोजित राष्ट्रीय चावल तकनीक उद्योग नवाचार शिखर सम्मेलन-2026 में भाग लिया।

ओडिशा पर्यटन विभाग द्वारा पंथनिवास में 19-20 मार्च 2026 के दौरान आयोजित पखाल पर्व 2026 में भाग लिया।

ओयूएटी, भुवनेश्वर में 20-21 मार्च 2026 के दौरान आयोजित किसान मेला में भाग लिया।

आगतुक

वर्ष 2026 के जनवरी-मार्च की अवधि के दौरान भारत के विभिन्न राज्यों जैसे ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश, असम एवं अरुणाचल प्रदेश से किसानों, महिला किसानों, विद्यार्थियों और कृषि अधिकारियों सहित कुल 1726 आगतुकों ने संस्थान का दौरा किया। उन्हें कृषि सलाहकार सेवा प्रणाली से अवगत कराया गया।

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

भाकृअनुप-केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (सीआरआरआई), कटक, ओडिशा ने कृषि अनुसंधान, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और क्षमता निर्माण में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए इस अवधि के दौरान कई समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

Name of the Technology	Name of the Institute/Company	Date of MoU
MoU for inbred variety CR Dhan 319	ICAR-CRRI and M/s Murva Agri Seeds Pvt. Ltd.	25 February 2026
MoU for inbred variety CR Dhan 314, CR Dhan 807	ICAR-CRRI and M/s Agri Affix Pvt. Ltd.	25 February 2026
MoU for inbred variety Pooja, CR 1009 Sub-1	ICAR-CRRI and M/s Veer Bajrangbali Seeds	25 February 2026
MoU for Hybrid variety CR Dhan 703, CR Dhan 705, Rajalaxmi	ICAR-CRRI and M/s Crystal Crop Protection Ltd.	25 February 2026
MoU for Hybrid variety Ajay, CR Dhan 706	M/s Sansar Agropol Pvt. Ltd.	25 February 2026
MoU for inbred variety Pooja, Naveen	M/s Indo America Hybrid Seeds (I) Pvt. Ltd.	25 February 2026
MoU for NRRI Tech Decomposer	M/s Prakrutik Krushi Vikash Udyog Pvt. Ltd.	18 March 2026
MoU for Inbred variety Swarna Sub-1	M/s Sri Devi Seeds	23 March 2026

सीआरआरआई क्षेत्रीय केंद्र, हजारीबाग

माननीय क्यूआरटी के अध्यक्ष, पद्मश्री डॉ. अशोक कुमार सिंह (पूर्व निदेशक, भाकृअनुप-आईएचआरआई, नई दिल्ली) का सीआरआरआई-केंद्रीय वर्षाश्रित उपराऊंभूमि चावल अनुसंधान केंद्र हजारीबाग का दौरा

पद्मश्री डॉ. अशोक कुमार सिंह, माननीय अध्यक्ष (क्यूआरटी), भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक, ने 17 फरवरी 2026 को सीआरआरआई-केंद्रीय वर्षाश्रित उपराऊंभूमि चावल अनुसंधान केंद्र, हजारीबाग का दौरा किया। अपने दौर के दौरान, उन्होंने केंद्र के सभी वैज्ञानिकों, प्रशासनिक और तकनीकी कर्मचारियों के साथ बातचीत की। उन्होंने वर्षाश्रित ऊपरी भूमि और सूखा-प्रवण क्षेत्रों के लिए विकसित धान की नई किस्मों और अन्य उपयुक्त तकनीकों के संदर्भ में केंद्र की महत्वपूर्ण उपलब्धियों पर चर्चा की। उन्होंने केंद्र की चल रही अनुसंधान गतिविधियों और उपलब्धियों की सराहना की। डॉ. सुनील कुमार दास, मुख्य वित्त एवं लेखा अधिकारी, भाकृअनुप-एनआईएएसएम, बारामती ने श्री प्रशांत कुमार, नियंत्रक, भाकृअनुप-आईएचआरआई, झारखंड और



Agri Vision 2026: An International Conference on Sustainable Agriculture for Food Security, held at ICAR-IIHR-CHES, Bhubaneswar, Odisha, from 29-30 January 2026.

National Rice Tech Industry Innovation Summit (RTIIS) – 2026 held at ICAR-CRRI, Cuttack on 25 February 2026.

Pakhala Parab 2026, organized by the Odisha Tourism Department at Panthanivas during 19-20 March 2026.

Ouat Farmers Fair held at OUAT, Bhubaneswar during 20-21 March 2026.

Visitors

Altogether 1726 visitors comprising of farmers, farmwomen, students and Agriculture Officers from different states of India viz., Odisha, Jharkhand, Chhattisgarh, Maharashtra, Uttar Pradesh, West Bengal, Himachal Pradesh, Assam, and Arunachal Pradesh visited the institute during the period of January-March 2026. They were exposed to agro advisory services system of the institute during their visit.

MoUs Signed

ICAR-Central Rice Research Institute (CRRI), Cuttack, Odisha, signed several Memorandums of Understanding (MoUs) during the period to foster collaborations in agricultural research, technology transfer, and capacity building.

CRRI Regional Station, Hazaribagh

Visit of Honourable QRT Chairman, Padma Shri Dr. Ashok Kumar Singh, Former Director, ICAR-IARI, New Delhi to CRRI-Central Rainfed Upland Rice Research Station (CRRI-CRURRS), Hazaribagh

Padma Shri Dr. Ashok Kumar Singh, Honourable Chairman (QRT), ICAR-CRRI, Cuttack, visited CRRI-Central Rainfed Upland Rice Research Station (CRRI-CRURRS), Hazaribagh, on 17 February 2026. During his visit, he interacted with all the scientists, administrative and technical staffs of the stations. He discussed about the significant achievements of the station in terms of newly released rice varieties and other suitable technologies developed for rainfed upland and drought-prone ecology. He appreciated the ongoing research activities and achievements of the station. Dr. Sunil Kumar Das, Chief Finance & Accounts Officer (CF&AO), ICAR-NIASM, Baramati along with Mr. Prashant



श्री आसिफ मोहम्मद, वित्त एवं लेखा अधिकारी, भाकूअनुप-डीपीआर, हैदराबाद के साथ 15 फरवरी 2026 को सीआरआरआई-केंद्रीय वर्षाश्रित उपराऊंभूमि चावल अनुसंधान केंद्र, हजारीबाग का दौरा किया। अपने दौर में, उन्होंने केंद्र के प्रमुख और प्रशासनिक कर्मचारियों के साथ बातचीत की।

गणतंत्र दिवस समारोह

सीआरआरआई-केंद्रीय वर्षाश्रित उपराऊंभूमि चावल अनुसंधान केंद्र, हजारीबाग में 26 जनवरी, 2026 को सभी कर्मचारियों द्वारा गणतंत्र दिवस मनाया गया। सीआरयूआरआरएस, हजारीबाग के प्रमुख डॉ. एन.पी. मंडल ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और गणतंत्र दिवस पर भाषण देते हुए केंद्र की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने केंद्र के विकास में सभी कर्मचारियों के योगदान की सराहना की और इस अवसर पर उन्हें शुभकामनाएँ दीं।

पुरस्कार और सम्मान

भाकूअनुप-सीआरआरआई-सीआरयूआरआरएस ने बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, रांची द्वारा आयोजित एग्रोटैक किसान मेला-16-14) 2026 मार्च 2026) में सक्रिय रूप से भाग लिया। इस प्रदर्शनी में किसानों और हितधारकों के लिए प्रासंगिक नवीन तकनीकों और अनुसंधान परिणामों को प्रदर्शित किया गया। हजारीबाग स्थित भाकूअनुप-सीआरआरआई-सीआरयूआरआरएस का स्टाल, वैज्ञानिकों और कर्मचारियों (एस.एम. प्रसाद, एस. भगत, बी.सी. वर्मा, एस. साहा, अरुणकुमार सी.जी. प्रसाद, बी.मीना, एस. पांडे) द्वारा प्रस्तुत जानकारीपूर्ण प्रदर्शनों और किसान-केंद्रित तकनीकों के कारण काफी चर्चा में रहा। प्रदर्शनी में प्रदर्शित सामग्री की गुणवत्ता और ज्ञान के प्रभावी प्रसार को मान्यता देते हुए, सीआरआरआई-सीआरयूआरआरएस के प्रदर्शनी स्टाल को तीसरा पुरस्कार प्रदान किया गया।



Kumar, Comptroller, ICAR-IARI, Jharkhand and Mr. Asif Mohammed, Finance & Accounts Officer (F&AO), ICAR-DPR, Hyderabad visited CRRI-CRURRS, Hazaribag on 15 February 2026. During his visit he interacted with Head and administrative staff of the station.

Republic Day Celebration

Republic day was celebrated at CRRI-CRURRS, Hazaribag on 26 January, 2026, by all the staff members. Dr. N.P. Mandal, Head, CRURRS, Hazaribag hoisted the National Flag and delivered Republic Day speech elucidating achievements of the center. He appreciated contribution of all the staffs for development of the station and greeted them on the occasion.

Awards and Recognition

ICAR-CRRI-CRURRS actively participated in the AgroTech Kisan Mela-2026 organized by Birsa Agricultural University, Ranchi (14-16 March 2026). The exhibition showcased innovative technologies and research outputs relevant to farmers and stakeholders. The stall representing ICAR-CRRI-CRURRS, Hazaribag attracted considerable attention for its informative displays and farmer-centric technologies by the scientists and staffs (S.M. Prasad, S. Bhagat, B.C. Verma, S. Saha, Arunkumara C.G., J. Prasad, B. Meena, S. Pandey). In recognition of the quality of exhibits and effective dissemination of knowledge, the CRRI-CRURRS exhibition stall was awarded the 3rd Prize.

एससीएसपी के अंतर्गत प्रदर्शन एवं इनपुट वितरण

Demonstrations & Input Distribution under SCSP

S. No.	Particulars	Date	Participants
1.	Pre-distribution Training cum Kisan Gosthi on "Use and handling of Paddy Reaper", distribution of Self-propelled Paddy Reaper and Gum boot to total 210 beneficiaries of Asiya, Ledahi, and Alaunja Khurd villages under SCSP at CRURRS, Hazaribag	09-02-2026	N. P. Mandal, Soumya Saha, Jitendra Prasad
2.	Pre-distribution Training cum Kisan Gosthi on "Use and handling of Power tiller", distribution of Power tiller to total 60 beneficiaries of Charhi village under SCSP at CRURRS, Hazaribag	26-02-2026	N. P. Mandal, Soumya Saha, Arunkumara C.G.

प्रौद्योगिकी

आनुवंशिक सामग्री पंजीकरण

चावल के जननद्रव्य 'बिन्नाफुल' (INGR25045) को भाकूअनुप की पादप जननद्रव्य पंजीकरण समिति द्वारा 26 दिसंबर 2026 को पंजीकृत किया गया है। इस जननद्रव्य में ऑस्मोटिक तनाव (4.0 बार मैनिटोल-प्रेरित) के प्रति सहिष्णुता, तने का अधिक वजन (0.055 ग्राम) और क्लोरोफिल की उच्च

Technology

Genetic Stock Registration

Rice germplasm Binnaful (INGR25045) with Tolerance to Osmotic stress (4.0 bar Mannitol induced), High shoot weight (0.055 g) and High Chlorophyll content (2.2 mg/100g), Highly tolerant to anaerobic germination (germination rate

मात्रा (2.2 मिग्रा/100 ग्राम) जैसी विशेषताएं हैं। यह अवायवीय अंकुरण (अंकुरण दर= 65.5%, एपिकोटाइल की अधिक लंबाई 35 सेमी) के प्रति अत्यधिक सहनशील है। साथ ही, यह लवणता के प्रति भी सहनशील है, जिसमें जड़ों के जैवपदार्थ में सबसे कम गिरावट (10.49%) देखी गई है। इसमें क्लोरोफिल की उच्च मात्रा (1.0 मिग्रा/ग्राम), तने की तेज वृद्धि और लवण से होने वाली मध्यम क्षति (स्कोर 5.0) की विशेषताएं भी हैं। इस जननद्रव्य को कौशिक चक्रवर्ती, सोमनाथ राय, एन पी मंडल, बी सी वर्मा, अमृता बनर्जी, देबारती भादुड़ी, प्रियमेधा, पुरंजय सार और मोतीलाल बेहेरा द्वारा विकसित किया गया है।



= 65.5%, high epicotyl length 35 cm), Tolerant to salinity (NaCl induced 12 dSm⁻¹), lowest decline in root biomass (10.49%), High chlorophyll content (1.0 mg g⁻¹ FW), high shoot growth and moderate Salt injury (score 5.0) developed by Koushik Chakraborty, Somnath Roy, NP Mandal, BC Verma, Amrita Banerjee, Debarati Bhaduri, Priyamedha, Purnanjay Sar and Motilal Behera has been registered by Plant Germplasm Registration Committee (PGRC) of ICAR on 26 December 2026.

कृषि विज्ञान केंद्र कार्यक्रम

कृषि विज्ञान केंद्र, कटक
कृषि विज्ञान केंद्र, कटक में आर्या पर वार्षिक क्षेत्रीय समीक्षा कार्यशाला आयोजित



भाकूअनुप-अटारी, कोलकाता ने कृषि विज्ञान केंद्र, कटक के सहयोग से 6 मार्च, 2026 को कृषि विज्ञान केंद्र, कटक, संथपुर, ओडिशा में "कृषि में ग्रामीण युवाओं को आकर्षित करना और बनाए रखना (आर्या)" विषय पर वार्षिक क्षेत्रीय समीक्षा कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला में ओडिशा के पाँच और पश्चिम बंगाल के चार कृषि विज्ञान केंद्रों में लागू किए जा रहे आर्या परियोजना की प्रगति की समीक्षा की गई, जिसमें कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में ग्रामीण युवाओं के बीच उद्यमिता को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया। कृषि विज्ञान केंद्र, कटक के वरिष्ठ वैज्ञानिक और प्रमुख डॉ. रंजन कुमार मोहंता ने गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया। सभा को संबोधित करते हुए, भाकूअनुप, नई दिल्ली की अतिरिक्त महानिदेशक (कृषि विस्तार) डॉ. राजश्री राय बर्मन ने बताया कि भाकूअनुप, आर्या परियोजना का एक नया और बेहतर संस्करण आरंभ करने की योजना बना रहा है। इस नए संस्करण में कृषि में एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस), सटीक खेती (प्रेसिशन फार्मिंग) और डिजिटल कृषि जैसे उभरते क्षेत्रों को शामिल किया जाएगा, ताकि ग्रामीण युवाओं के बीच मांग-आधारित कृषि-उद्यमिता को और अधिक मजबूत बनाया जा सके। भाकूअनुप-अटारी, कोलकाता के निदेशक डॉ. प्रदीप दे ने आर्या उद्यमियों की सफलता के लिए सामूहिक प्रयासों और प्रभावी बाजार संपर्कों पर जोर दिया, जबकि ओयूएटी में विस्तार शिक्षा के डीन डॉ. प्रसन्नजीत मिश्र ने टिकाऊ उद्यमों को विकसित करने के लिए विभिन्न सरकारी योजनाओं और एजेंसियों के साथ तालमेल बिठाने के महत्व पर बल दिया। भाकूअनुप-अटारी, कोलकाता के क्षेत्रीय नोडल वैज्ञानिक डॉ. अविजित हलदर ने उद्यमिता विकास के रुझानों और प्रशिक्षित युवाओं तथा स्थापित उद्यमियों के बीच के अंतर को पाटने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। ओडिशा और पश्चिम बंगाल के नौ भाग लेने वाले कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा दी गई प्रस्तुतियों की समीक्षा विधान चंद्र कृषि विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक प्रोफेसर पल्लव दत्ता और ओयूएटी की संयुक्त निदेशक (सूचना) डॉ. श्रावणी दास ने की, जिन्होंने सुधार के लिए बहुमूल्य सुझाव दिए। इस कार्यशाला में नौ कृषि विज्ञान केंद्रों के वरिष्ठ वैज्ञानिकों और प्रमुखों सहित कुल 22 वैज्ञानिकों ने भाग लिया और आर्या परियोजना के तहत हुई प्रगति और उपलब्धियों को साझा किया। कार्यक्रम के समापन में कृषि विज्ञान केंद्र, कटक के विषयवस्तु विशेषज्ञ (मृदा विज्ञान) डॉ. दिलीप रंजन सडंगी ने औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन दिया।

KVK Programmes

KVK, Cuttack

Annual Zonal Review Workshop on ARYA Organized at KVK, Cuttack



ICAR-ATARI, Kolkata in collaboration with KVK, Cuttack organized the Annual Zonal Review Workshop on "Attracting and Retaining Rural Youth in Agriculture (ARYA)" on March 6, 2026 at Krishi Vigyan Kendra, Cuttack, Santhapur, Odisha. The workshop reviewed the progress of the ARYA Project being implemented in five KVKs of Odisha and four KVKs of West Bengal, with a focus on promoting rural youth entrepreneurship in agriculture and allied sectors. Dr. Ranjan Kumar Mohanta, Senior Scientist and Head, KVK, Cuttack welcomed the dignitaries and participants. Addressing the gathering, Dr. Rajashee Roy Barman, Additional Director General (Agricultural Extension), ICAR, New Delhi informed that ICAR is planning to launch a transformed version of the ARYA Project incorporating emerging areas such as AI in agriculture, precision farming, and digital agriculture to strengthen demand-driven agri-entrepreneurship among rural youth. Dr. Pradip Dey, Director, ICAR-ATARI, Kolkata emphasized collective efforts and effective market linkages for the success of ARYA entrepreneurs, while Dr. Prasannajit Mishra, Dean, Extension Education, OUAT stressed the importance of convergence with various government schemes and agencies for developing sustainable enterprises. Dr. Avijit Haldar, Zonal Nodal Scientist, ICAR-ATARI, Kolkata highlighted the trends in entrepreneurship development and the need to address the gap between trained youth and established entrepreneurs. Presentations made by nine participating KVKs from Odisha and West Bengal were reviewed by Prof. Pallab Datta, Director of Extension Education, Bidhan Chandra Krishi Viswavidyalaya and Dr. Srabani Das, Joint Director (Information), OUAT, who provided valuable suggestions for improvement. A total of 22 scientists along with Senior Scientists and Heads from nine KVKs participated in the workshop and shared the progress and achievements under the ARYA Project. The programme concluded with a formal vote of thanks proposed by Dr. Dillip Ranjan Sarangi, SMS (Soil Science), KVK, Cuttack.

कृषि विज्ञान केंद्र, कटक में विश्व जल दिवस का पालन

कृषि विज्ञान केंद्र, कटक ने 22 मार्च, 2026 को अपने संथपुर परिसर में विश्व जल दिवस मनाया, जिसमें जल संरक्षण और उसके सतत उपयोग के महत्व पर प्रकाश डाला गया। डॉ. दिलीप रंजन सडंगी ने पौधों, जानवरों और मनुष्यों के जीवन को बनाए रखने में जल की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया, साथ ही जल के विवेकपूर्ण उपयोग में महिलाओं की भूमिका पर भी बल दिया। कृषि विज्ञान केंद्र, कटक के वरिष्ठ वैज्ञानिक और प्रमुख, डॉ. रंजन कुमार मोहंता ने सतत कृषि और भविष्य की जल सुरक्षा के लिए कुशल सिंचाई पद्धतियों को अपनाने तथा टपकन सिंचाई, छिड़काव प्रणाली और सेंसर-आधारित सिंचाई जैसी जल-स्मार्ट तकनीकों को अपनाने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।



World Water Day Celebrated at KVK, Cuttack

Krishi Vigyan Kendra, Cuttack celebrated World Water Day on March 22, 2026 at its Santhapur campus, highlighting the importance of water conservation and sustainable use. Dr. Dillip Ranjan Sarangi emphasized the vital role of water in maintaining plant, animal, and human life, while also stressing women's role in judicious water use. Dr. Ranjan Kumar Mohanta, Senior Scientist and Head, KVK Cuttack, highlighted the need for efficient irrigation practices and adoption of water-smart technologies such as drip irrigation, sprinkler systems, and sensor-based irrigation for

sustainable agriculture and future water security.

भूमि सुपोषण अभियान

बेहतर मिट्टी और जल प्रबंधन तरीकों के माध्यम से स्थिर कृषि को बढ़ावा देने के लिए 19 मार्च से 19 अप्रैल 2026 के दौरान 'भूमि सुपोषण अभियान' का आयोजन किया गया। कृषि विज्ञान केंद्र, कटक ने 19 मार्च 2026 को जलगाँव में राष्ट्रीय शुभारंभ कार्यक्रम के सीधे प्रसारण का आयोजन किया। इस कार्यक्रम के दौरान, माननीय कृषि मंत्री ने सभी संबंधित पक्षों से आग्रह किया कि वे मिट्टी के स्वास्थ्य, मिट्टी-जल संबंधों और संरक्षण-उन्मुख कृषि पद्धतियों जैसे प्रमुख पहलुओं पर जागरूकता पैदा करें और किसानों की क्षमता को सुदृढ़ करें जिससे कृषि उत्पादन प्रणालियों की दीर्घकालिक स्थिरता को बढ़ावा मिल सके। इस अभियान ने किसानों, महिला किसानों, ग्रामीण युवाओं और विद्यार्थियों के बीच मिट्टी के स्वास्थ्य, मिट्टी के संरक्षण और टिकाऊ कृषि पद्धतियों के संबंध में जागरूकता पैदा की। मिट्टी की उर्वरता और उसके संरक्षण से संबंधित जागरूकता गतिविधियों में नब्बे से अधिक किसानों और पचास स्कूली बच्चों ने भाग लिया।



Bhumi Suposhan Abhiyan

Bhumi Suposhan Abhiyan was organized from 19 March to 19 April 2026 to promote sustainable agriculture through improved soil and water management practices. KVK, Cuttack organized the live viewing of the National Launch Programme on 19 March 2026 at Jalgaon. During the programme, the Hon'ble Agriculture Minister urged all stakeholders to create awareness and strengthen farmers' capacity on key aspects such as soil health, soil-water relationships, and conservation-oriented agricultural practices, thereby promoting long-term sustainability of agricultural production systems. The campaign created awareness among farmers, farm women, rural youth, and students on soil health, soil conservation, and sustainable farming practices. More than ninety farmers and fifty school children participated in the awareness activities on soil fertility and its preservation.

जिला स्तरीय कृषि मशीनीकरण मेला - कटक

कृषि विज्ञान केंद्र, कटक ने 8-12 जनवरी 2026 के दौरान कटक के बालियात्रा मैदान में आयोजित जिला स्तरीय कृषि मशीनीकरण मेले में एक प्रदर्शनी स्टॉल लगाकर हिस्सा लिया। इस स्टॉल पर पर्यावरण-अनुकूल कीट प्रबंधन, मधुमक्खी पालन और कृषि मशीनीकरण तकनीकों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए फेरोमोन ट्रेप, 7x24 लाइट ट्रेप, छत्ते के औजारों के साथ मधुमक्खी कॉलोनियां और पशु चिकित्सा सामग्री प्रदर्शित की गई थी। किसानों और आगंतुकों ने प्रदर्शित तकनीकों के व्यावहारिक उपयोगों को समझने के लिए कृषि विज्ञान केंद्र टीम के साथ सक्रिय रूप से बातचीत की।



District Level Farm Mechanization Mela - Cuttack

KVK, Cuttack participated in the District Level Farm Mechanization Mela held at Baliyatra Ground, Cuttack, from 8-12 January 2026 by setting up an exhibition stall. The stall displayed pheromone traps, 24x7 light traps, honeybee colonies with hive tools, and veterinary materials to create awareness on eco-friendly pest management, bee-

keeping, and farm mechanization technologies. Farmers and visitors actively interacted with the KVK team to understand the practical applications of the demonstrated technologies.

किसानों के लिए आधुनिक कृषि तकनीकों पर भ्रमण यात्रा

कृषि विज्ञान केंद्र, कटक ने आधुनिक कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए 30 जनवरी 2026 को इंफा फाउंडेशन द्वारा प्रायोजित किसानों की एक भ्रमण यात्रा का आयोजन किया। किसानों को बेहतर तकनीकों के बारे में जानकारी दी गई, जिनमें मल्लिचंग, मूंग की खेती में मिट्टी सुधारक के रूप में फ्लाइ ऐश का उपयोग, नेट हाउस के तहत संरक्षित खेती और

Exposure Visit of Farmers on Modern Farm Technologies

KVK, Cuttack organized an exposure visit of farmers sponsored by IMFA Foundation on 30 January 2026 to promote modern agricultural practices. Farmers were oriented on improved technologies including mulching, use of fly ash as a soil amendment in moong cultivation, protected cultivation

इसीनिया फेटिडा का उपयोग करके कृमिकम्पोस्ट तैयार करना शामिल था। एकीकृत कृषि प्रणालियों को प्रदर्शित करने के लिए आधुनिक कृषि उपकरण, मुर्गी पालन और बत्तख पालन इकाइयों को भी दिखाया गया। इस कार्यक्रम ने व्यावहारिक प्रदर्शनों और बातचीत के माध्यम से किसानों के सतत और बेहतर कृषि पद्धतियों के ज्ञान को बढ़ाया।



under net house, and vermicompost preparation using *Eisenia foetida*. Modern farm tools, poultry, and duckery units were also showcased to demonstrate integrated farming systems. The programme enhanced farmers' knowledge on sustainable and improved agricultural practices through practical demonstrations and interaction.

बेहतर आजीविका के लिए वैकल्पिक आय सृजन

एससीएसपी कार्यक्रम के तहत, अनुसूचित जाति लाभार्थियों की आजीविका को बेहतर बनाने के लिए मधुमक्खी पालन के माध्यम से वैकल्पिक आय सृजन की एक पहल लागू की गई। मार्च 2026 के दौरान, कांटापाड़ा प्रखंड के कुआमंगा गांव, नियाली प्रखंड के नारिसो गांव और भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक में कुल 96 मधुमक्खी कॉलोनियों के साथ-साथ मधुमक्खी पालन के लिए जरूरी उपकरण वितरित किए गए और उनका प्रदर्शन किया गया। प्रत्येक लाभार्थी को जरूरी औजारों और उपकरणों के साथ दो मधुमक्खी कॉलोनियाँ मिलीं, जबकि शहद निकालने वाली मशीनें और क्वीन एक्सक्लूडर शीट साझा आधार पर उपलब्ध कराई गईं। इस कार्यक्रम ने आय, पोषण सुरक्षा और बेहतर परागण के माध्यम से फसल उत्पादकता को बढ़ाने के लिए मधुमक्खी पालन को एक टिकाऊ आजीविका विकल्प के रूप में बढ़ावा दिया।



Latitude: 20.128734
Longitude: 86.05226
Elevation: 4.4415, 4 m
Accuracy: 2.413 m
Time: 05-21-2026 10:33
Note: Demonstration & Installation of Honey Bees colonies, ICAR-CRRI, Cuttack

Alternate Income Generation for Better Livelihood

Under the SCSP programme, an initiative on alternate income generation through beekeeping was implemented to improve the livelihood of SC beneficiaries. A total of 96 honeybee colonies along with essential beekeeping equipment were distributed and demonstrated at Kuamanga village of Kantapada block, Nariso village of Niali block, and ICAR-CRRI, Cuttack during March 2026. Each beneficiary received two bee colonies with necessary tools and equipment, while honey extractors and queen excluder sheets were provided on a shared basis. The programme promoted beekeeping as a sustainable livelihood option for enhancing income, nutritional security, and crop productivity through better pollination.

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस-सह-स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

कृषि विज्ञान केंद्र, कटक ने 28 फरवरी और 2 मार्च 2026 को मुहंता नोडल विद्यापीठ, उच्चपाड़ा और हंसनाथ सरकारी नोडल हाई स्कूल, परम हंस में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस-सह-स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों के बीच दैनिक जीवन में विज्ञान और स्वच्छता के महत्व के प्रति जागरूकता पैदा करना था। इस अवसर पर स्वच्छता जागरूकता प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं और विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक और प्रमुख डॉ. रंजन कुमार मोहंता ने स्वच्छता के महत्व, दैनिक जीवन में विज्ञान की भूमिका और सर सी.वी. रमन द्वारा खोजे गए 'रमन प्रभाव' के महत्व पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम का समन्वय श्री प्रशांत प्रधान, श्री अरबिंद बिसोई और संबंधित विद्यालयों के शिक्षकों द्वारा किया गया।



Celebration of National Science Day-cum-Swachhata Awareness Programme

Krishi Vigyan Kendra, Cuttack celebrated National Science Day-cum-Swachhata Awareness Programme on 28 February and 2 March 2026 at Mahanta Nodal Vidya-pitha, Uchhapada and Hansnath Government Nodal High School, Paramhans. The programme aimed to create awareness among students on the importance of science and cleanliness in daily life. Swachhata awareness quiz competitions were organized and prizes were distributed to the winners. Dr. Ranjan Kumar Mohanta, Senior Scientist and Head, KVK, highlighted the significance of swachhata, the role of science in everyday life, and the importance of the Raman Effect discovered by Sir C.V. Raman. The programme was coordinated by Sri Prasanta Pradhan, Arabinda Bisoi, and the teachers of the respective schools.

किसानों द्वारा भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक का दौरा

बलिया के किसानों के एक समूह ने 23 मार्च 2026 को भाकृअनुप-केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान का दौरा किया। यह एक दिवसीय भ्रमण कार्यक्रम कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा समन्वित किया गया था। किसानों को संस्थान के अनुसंधान और विस्तार गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने सीआरआरआई संग्रहालय, जैव-उर्वरक इकाई और जैव-रासायनिक उत्पादन इकाई का भी दौरा किया, जहाँ उन्होंने जैविक कीट प्रबंधन के लिए 'टाइको-कार्ड' बनाने और उनके उपयोग के बारे में सीखा। उन्होंने रबी चावल की किस्मों के क्षेत्र प्रदर्शन भूखंड का भी दौरा किया, ताकि वे बेहतर फसल प्रबंधन पद्धतियों और किस्मों के प्रदर्शन का अवलोकन कर सकें। इस कार्यक्रम ने किसानों के वैज्ञानिक और टिकाऊ कृषि पद्धतियों से संबंधित ज्ञान में वृद्धि की।

Exposure Visit of Farmers to ICAR-CRRI, Cuttack

A group of farmers from Ballia visited ICAR-Central Rice Research Institute on 23 March 2026 for a one-day exposure programme coordinated by KVK. The farmers were oriented on the institute's research and extension activities and visited the CRRI museum, biofertilizer unit, and biochemical production unit, where they learned about the preparation and use of Tricho-cards for biological pest management. They also visited field demonstration plots of Rabi rice varieties to observe improved crop management practices and varietal performance. The programme enhanced farmers' knowledge on scientific and sustainable agricultural practices.

कृषि विज्ञान केंद्र, कोडरमा में आयोजित जिला-स्तरीय किसान मेला-सह-बागवानी प्रदर्शनी ने सतत और व्यावसायिक खेती को बढ़ावा

District-Level Kisan Mela-cum-Horticultural Exhibition at KVK, Koderma Promotes Sustainable and Commercial Farming

भाकू-अनुप-सीआरआरआई-कृषि विज्ञान केंद्र, कोडरमा ने झारखंड के राज्य कृषि विभाग और कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेंसी, कोडरमा के सहयोग से 26 फरवरी 2026 को कृषि विज्ञान केंद्र, कोडरमा में एक जिला-स्तरीय किसान मेला-सह-बागवानी प्रदर्शनी का आयोजन किया। कोडरमा के उपायुक्त (भाप्रसे) श्री ऋतुराज ने मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर को शोभा बढ़ाई, जबकि जिला परिषद के अध्यक्ष श्री रामधन यादव और जैनगर की प्रखंड प्रमुख श्रीमती अंजू देवी अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर 12 से अधिक स्टॉल लगाए गए थे, जिनमें कृषि, बागवानी, पशुपालन और मत्स्य पालन सहित विभिन्न सरकारी विभागों, गौ सरकारी संगठनों और किसान उत्पादक संगठनों द्वारा कृषि तथा संबद्ध क्षेत्रों में हुई प्रगति को प्रदर्शित किया गया। इन स्टॉलों के माध्यम से किसानों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से चलाई जा रही विभिन्न सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में जानकारी प्रदान की गई। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों की आजीविका और आय की सुरक्षा को बेहतर बनाने के लिए व्यावसायिक खेती को बढ़ावा देना था। विभिन्न जिलों के किसानों ने अपनी उच्च गुणवत्ता वाली कृषि उत्पादों का प्रदर्शन किया, जिसका मूल्यांकन कृषि विज्ञान केंद्र और राज्य कृषि विभाग के विशेषज्ञ वैज्ञानिकों द्वारा विभिन्न श्रेणियों के तहत किया गया। कुल मिलाकर, 400 किसानों और महिला किसानों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया, जिससे यह आयोजन एक बड़ी सफलता साबित हुआ।



ICAR-CRRI-Krishi Vigyan Kendra, Koderma, in collaboration with the State Department of Agriculture, Jharkhand and the Agriculture Technology Management Agency (ATMA), Koderma, organized a District-Level Kisan Mela-cum-Horticultural Exhibition at KVK, Koderma, on 26 February 2026. Shri Rituraj, IAS, Deputy Commissioner, Koderma, graced the occasion as the Chief Guest, while Shri Ramdhan Yadav, Zila Parishad Chairman, and Smt. Anju Devi, Block Pramukh, Jainagar, attended as Guests of Honour along with other dignitaries.

More than 12 stalls were set up, showcasing advancements in agriculture and allied sectors by various state departments, including agriculture, horticulture, animal husbandry, and fisheries, along with NGOs and FPOs. These stalls disseminated information on government programmes and schemes aimed at benefiting farmers. The event focused on promoting commercial farming to enhance farmers' livelihoods and income security. Farmers from different districts exhibited superior-quality farm produce, which was evaluated under various categories by expert scientists from KVK and the State Department of Agriculture. Altogether, 400 farmers and farmwomen participated in the programme, making the event a grand success.

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

कृषि विज्ञान केंद्र, कोडरमा में 8 मार्च 2026 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस बड़े उत्साह और भागीदारी के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न पृष्ठभूमि की महिलाओं को एक साथ लाया गया जिनमें किसान, स्वयं सहायता समूह के सदस्य, ग्रामीण उद्यमी और स्थानीय हितधारक शामिल थे ताकि कृषि, समाज और सामुदायिक विकास में महिलाओं के योगदान को सम्मानित किया जा सके। इस कार्यक्रम में कुल 46 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें महिला किसान, स्वयं सहायता समूह सदस्य, स्थानीय उद्यमी, तथा कृषि विज्ञान केंद्र प्रमुख, विषय विशेषज्ञ और कर्मचारी शामिल थे। स्वयं सहायता समूह के सदस्यों और ग्रामीण उद्यमियों की सक्रिय भागीदारी ने इस कार्यक्रम को और अधिक समृद्ध तथा संवादात्मक बना दिया।



International Women's Day

International Women's Day was celebrated at KVK, Koderma on 8th March 2026 with great enthusiasm and participation. The event brought together women from diverse backgrounds, including farmers, self-help group members, rural entrepreneurs, and local stakeholders, to honor the contributions of women in agriculture, society, and community development. A total of 46 participants attended the program, including women farmers, SHG members, local entrepreneurs, and KVK Head, Subject matter specialist & staff members. The active involvement of self-help group members, rural entrepreneurs enriched the program and made it interactive.

RESEARCH NOTE

High incidence of neck blast in traditional aromatic rice genotypes at CRURRS (Hazaribag)

Central Rainfed Upland Rice Research Station, ICAR-CRRI, Hazaribag 825301, Jharkhand, India

*Email: amrita.banerjee@icar.org.in; amrita.ars@gmail.com

Rice blast caused by *Magnaporthe oryzae* (anamorph *Pyricularia oryzae*) is an important disease in upland regions of eastern India causing significant economic losses. The pathogen targets all aboveground parts of the rice plant, but the most common forms are leaf blast and neck blast. Neck blast occurs at the reproductive stage and is more destructive.

During October-November 2025, heavy incidence of neck blast was observed at experimental farm of ICAR-CRRI-CRURRS, Hazaribag, Jharkhand. Typically, Greyish-brown lesion on the neck region along with partially filled spikelets (Fig. 1a, b) was recorded in aromatic rice cultivars such as Gobindobhog (along with its pure line CR4448-5), Keya Nunia, Dubraj, Shyam Jeera, Kalajeera, Sakkar Chini. On plot basis disease incidence ranged from 50-80%. Infected panicles were collected from the field, and the causal pathogen was isolated. Symptomatic neck regions were cut into 1-2 mm pieces, surface sterilized

and incubated at 25±2°C for 3-7 days on Potato Dextrose Agar (PDA) media (Fig. 1c). The microscopic observations revealed characteristic pear-shaped conidia (Fig. 1d). Subsequently, pure cultures (n=3) were raised by single spore isolation. Furthermore, mycelial DNA was extracted from each isolate and used to amplify the internal transcribed spacers (ITSs) of rDNA and Pot2 transposon using ITS1/ITS4 and pfh2a/pfh2b primers, respectively. The amplicons (Fig. 1e) were gel purified and sequenced. The nucleotide sequence data of partial ITS region and Pot2 transposon showed 100% identity with *P. oryzae*.

CRURRS is a hotspot location for rice blast screening. At this location, wide diurnal temperature variation, overall cooler temperature and dew formation favor blast disease development. However, the occurrence of neck blast is rare at this location compared to leaf blast. As compared to leaf blast, the occurrence of neck blast is rare at this location. The rare occurrence of neck blast at CRURRS is probably due to dry months of October and November. However, unusual high rainfall (1587 mm) during crop period (June-October) in 2025, including substantial rain in October (230 mm) might be provided congenial weather conditions for neck blast. Thus, further research activities should aim to study the neck blast epidemiology and management strategies.

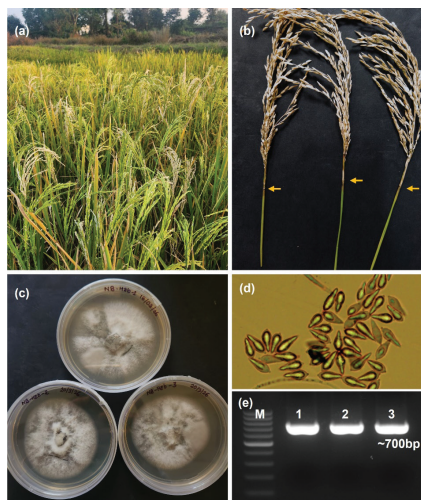


Fig. 1. Identification of neck blast incidence at CRURRS, Hazaribag. (a) Neck blast infected field; (b) Characteristic symptoms at the neck region; (c) Colony morphology of neck blast isolates on PDA media; (d) Microscopic observation of pear-shaped conidia of *M. oryzae*; (e) PCR-based confirmation using *M. oryzae* specific primer pair (pfh2a/pfh2b).

Amrita Banerjee*, Soumya Saha, Somnath Roy,
S. Bhagat, N.P. Mandal
ICAR-CRRI-CRURRS, Hazaribag

सम्मेलन/परिसंवाद/कार्यशाला/शीतकालीन पाठ्यक्रम/प्रदर्शनी/प्रशिक्षण कार्यक्रमों/बैठकों में प्रतिभागिता
Seminar/ Symposia/ Workshop/ Winter School/ Exhibition/ Training Programmes/ Meetings attended

Sl. No.	Particulars	Date	Participants
1.	Attended APEDA BHARTI Business Challenge as Jury at New Delhi	8 January 2026	Dr. G.A.K. Kumar
2.	One-day zonal-level interaction meet with KVKs of West Bengal and Odisha with Nodal Officer, ICAR-IIPR under National Pulse Mission organized by ATARI Kolkata.	8 January 2026	Dr. D.R. Sarangi
3.	Participated in ICAR-Sponsored 21 Days Winter School on “Emerging Biotechnological and Biorational Interventions for Mitigating Insect Pests and Pathogens of National Importance in Crops at ICAR-NIBSM, Raipur	27 th January to 16 th February, 2026	Dr. Arun Kamara C. G.
4.	Attended the 10 th IMC Meeting of ICAR-IIAB, Ranchi, Jharkhand as member	13 January 2026	Dr. N.P. Mandal
5.	Attended Annual Zonal Review Workshop of KVKs at ICAR-National Institute of Secondary Agriculture, Ranchi	18 January 2026	Dr. G.A.K. Kumar
6.	Attended one day Consultation on “The Dynamics of Agricultural Innovation in North India” at NASC, New Delhi	23 January 2026	Dr. G.A.K. Kumar
7.	Progress (Financial & Physical) of work under ARYA in on-line mode	3 February 2026	Dr. D.R. Sarangi

8.	The Project Implementation and Monitoring Committee meeting convened by Jagadguru Kripalu Yog Trust in association with the NABARD at JK University campus, Banara, Cuttack	18 February 2026	Dr. R.K. Mohanta
9.	One-day Workshop on Kisan Sarathi 2.0 at OUAT, Bhubaneswar	20 February 2026	Sri Prasanta Pradhan and Dr. R.K. Mohanta
10.	Participated in a Farmers' Fair organized by KVK, Ramgarh at Udlu village	28 February 2026	Dr. B.C. Verma
11.	Attended a High-level Policy Dialogue on "Repurposing Rice Policies for Sustainable and Resilient Systems in India: Lessons and Priorities" at the IRRI South Asia Regional Centre (ISARC), Varanasi, Uttar Pradesh	7 March 2026	Dr. G.A.K. Kumar
12.	Attended the Expert committee meeting of Ongoing R&D Projects on Agriculture & Horticulture, DST&BT, Govt. of West Bengal	13 March 2026	Dr. N. P. Mandal
13.	Participation in the Agro-Tech Kisan Mela, 2026 at BAU, Kanke, Ranchi	14-16 March 2026	Drs. S. M Prasad, S. Bhagat, B.C.Verma, S. Saha, Arun Kamara C. G., J. Prasad, B. Meena, S. Pandey
14.	Attended screening committee meeting on review for retention of 20 ARS Scientists under FR 56 (J) and Rule 42 of CCS (Pension) Rules, 2021 at Krishi Bhawan, New Delhi	17 March 2026	Dr. G.A.K. Kumar
15.	State level meeting on Preparation of Detailed Project of Sugarcane Model farm at Banki in the Krishi Bhawan, Bhubaneswar	20 March 2026	Dr. D.R. Sarangi
16.	Attended a meeting on DSR under the Chairmanship of Secretary, DARE and DG, ICAR at Krishi Bhawan, New Delhi	24 March 2026	Dr. G.A.K. Kumar

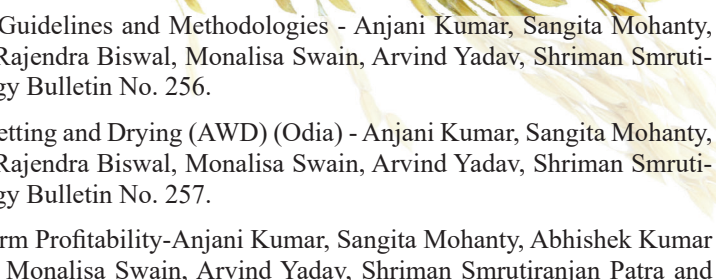
Publication

Book

- A Souvenir on Rice Research Innovations at CRRI for Consumers, Climate Resilience, and Profitability at National Rice Tech Industry Innovation Summit (RTIIS) – 2026 on 25 February 2026.
- A Comprehensive Book on Rice Technology for Atmanirbhar Industry: Scalable Science-Based Solutions at National Rice Tech Industry Innovation Summit (RTIIS) – 2026 on 25 February 2026.
- Kumar N, Priyamedha, Sen S. 2025. *Plant Breeding & Genetics Questionnaire*. New Delhi: Brillion Publishing. p. 292.

Research/Extension/Technology Bulletins

1. Package and Practices for Direct Seeded Rice – A Technology for Enhancing Climate Resilience and Farm Profitability-Anjani Kumar, Sangita Mohanty, Abhishek Kumar Sahu, R.P. Sah and Arvind Yadav (Hindi). CRRI Technology Bulletin No. 251.
2. Grow More with Less: A Farmer's Guide to Alternate Wetting and Drying (AWD)-Anjani Kumar, Sangita Mohanty, Abhishek Kumar Sahu, R.P. Sah and Arvind Yadav (Hindi). CRRI Technology Bulletin No. 252.
3. GHG Emission Measurement in Rice-Based Systems: Guidelines and Methodologies-Anjani Kumar, Sangita Mohanty, Abhishek Kumar Sahu, R.P. Sah and Arvind Yadav (Hindi). CRRI Technology Bulletin No. 253.
4. System of Rice Intensification-A climate smart rice production strategy - Anjani Kumar, Annie Poonam, Abhisek Mohapatra, Shriman Smrutiranjana Patra, Rajendra Biswal, Abhishek Kumar Sahu, Sangeeta Mohanty, Monalisa Swain, Bikramjit Dehury and Arvind Yadav. CRRI Technology Bulletin No. 254.
5. Rice Intensification-A climate smart rice production strategy (Odia) - - Anjani Kumar, Annie Poonam, Abhisek Mohapatra, Shriman Smrutiranjana Patra, Abhishek Kumar Sahu, Sangita Mohanty, Monalisa Swain, Bikramjit Dehury and Arvind Yadav. CRRI Technology Bulletin No. 255.

- 
6. GHG Emission Measurement in Rice-Based Systems: Guidelines and Methodologies - Anjani Kumar, Sangita Mohanty, Abhishek Kumar Sahu, R.P. Sah, Abhishek Mohapatra, Rajendra Biswal, Monalisa Swain, Arvind Yadav, Shriman Smrutiranjana Patra and Jyoti Ranjan Pradhan. CRRI Technology Bulletin No. 256.
 7. Grow More with Less: A Farmer's Guide to Alternate Wetting and Drying (AWD) (Odia) - Anjani Kumar, Sangita Mohanty, Abhishek Kumar Sahu, R.P. Sah, Abhishek Mohapatra, Rajendra Biswal, Monalisa Swain, Arvind Yadav, Shriman Smrutiranjana Patra and Jyoti Ranjan Pradhan. CRRI Technology Bulletin No. 257.
 8. A Technology for Enhancing Climate Resilience and Farm Profitability-Anjani Kumar, Sangita Mohanty, Abhishek Kumar Sahu, R.P. Sah, Abhishek Mohapatra, Rajendra Biswal, Monalisa Swain, Arvind Yadav, Shriman Smrutiranjana Patra and Jyoti Ranjan Pradhan (Odia). CRRI Technology Bulletin No. 258.
 9. Production Technology of Early Direct Seeded Rice – CR Dhan 108 – L.K. Bose, D. Moharana, N.N. Jambhulkar, K. Chattopadhyay, M.K. Kar, S.K. Dash, R.P. Sah, Reshmi Raj K.R., P. Sanghamitra, B.C. Marndi, M. Chakraborty, J. Meher, A.K. Mukherjee, P.C. Rath, S.D. Mohapatra, M.J. Baig, Annie Poonam, T.B. Bagchi, K. Chakraborty and Ranjan Rana (English). CRRI Technology Bulletin No. 259.
 10. Production Technology of Early Direct Seeded Rice – CR Dhan 108 – L.K. Bose, D. Moharana, N.N. Jambhulkar, K. Chattopadhyay, M.K. Kar, S.K. Dash, R.P. Sah, Reshmi Raj K.R., P. Sanghamitra, B.C. Marndi, M. Chakraborty, J. Meher, A.K. Mukherjee, P.C. Rath, S.D. Mohapatra, Annie Poonam, T.B. Bagchi, K. Chakraborty and Ranjan Rana (Hindi). CRRI Technology Bulletin No. 260.
 11. Production Technology of Early Direct Seeded Rice – CR Dhan 108 – L.K. Bose, D. Moharana, N.N. Jambhulkar, K. Chattopadhyay, M.K. Kar, S.K. Dash, R.P. Sah, Reshmi Raj K.R., P. Sanghamitra, B.C. Marndi, M. Chakraborty, J. Meher, A.K. Mukherjee, P.C. Rath, S.D. Mohapatra, Annie Poonam, T.B. Bagchi, K. Chakraborty and Ranjan Rana (Odia). CRRI Technology Bulletin No. 261.
 12. 4S4R Model for Production, Marketing and Export of Odisha Aromatic Rice – Supriya Priyadarsani, Sutapa Sarkar, Asit Pradhan, Totan Adak, Mridul Chakraborty, Biswajit Mondal, G.A.K. Kumar. CRRI Technology Bulletin No. 262.
 13. Development of Probiotic Fermented Aromatic Rice Water Beverage (“Rice Cool”) - Supriya Priyadarsani, P Panneerselvam, Sutapa Sarkar Prakash Chandra Jena. CRRI Technology Bulletin No. 263.
 14. A promising high yielding variety suitable for coastal saline areas CR Dhan 416 - BC Marndi, K Chattopadhyay, LK Bose, RP Sah, Annie Poonam, MK Kar, K Chakraborty, AK Mukherjee, SD Mohapatra, D Moharana (English). CRRI Technology Bulletin No. 264.
 15. A promising high yielding variety suitable for coastal saline areas CR Dhan 416 - BC Marndi, K Chattopadhyay, LK Bose, RP Sah, Annie Poonam, MK Kar, K Chakraborty, AK Mukherjee, SD Mohapatra, D Moharana (Hindi). CRRI Technology Bulletin No. 265.
 16. A promising high yielding variety suitable for coastal saline areas CR Dhan 416 - BC Marndi, K Chattopadhyay, LK Bose, RP Sah, Annie Poonam, MK Kar, K Chakraborty, AK Mukherjee, SD Mohapatra, D Moharana (Bengali). CRRI Technology Bulletin No. 266.
 17. CRRI-Soil Permeameter- Manish Debnath, Pratap Bhattacharyya, Surya Prasad Lenka, P.C. Jena, Rubina Khanam, Bhupendra Ghritalahre, Debarati Bhaduri, Dillip Ranjan Sarangi. CRRI Technology Bulletin No. 267.
 18. Floating Solar Pumping System- P.C. Jena, Manish Debnath, Supriya Priyadarsani, Surya Prasad Lenka, Bhupendra Ghritalahre. CRRI Technology Bulletin No. 268.
 19. CRRI-Triangular notch for measurement of small open channel flow- Manish Debnath, P.C. Jena, Surya Prasad Lenka, Totan Adak, Supriya Priyadarsani, Bhupendra Ghritalahre. CRRI Technology Bulletin No. 269.
 20. Interlinking Soil Quality-Yield Sustainability-Grain Quality in a Unified Triangular Approach for Rice: A Case Study in Eastern India - Debarati Bhaduri, Manimala Mahato, Bibhash C. Verma, Sutapa Sarkar, Sophia Swain, Biswajit Behera. CRRI Research Bulletin No. 62.
 21. CRRI Liquid Biofertilizer Production Plant (Design, Operation, and Production) – Upendra Kumar. CRRI Research Bulletin No. 63.
 22. Strengthening farmers' livelihood security through farmer FIRST programme: Experiences and Impact of CRRI-led modular interventions – B. Mondal, S.K. Mishra, Lipi Das, S. Paul, S. Lenka, G.C. Acharya, S.C. Giri, Supriya Pridarshini, B. Stapathy, R.K. Mohanta, K.S. Das, K. Jena, S.R. Pradhan. CRRI Extension Bulletin No. 29.

Review Paper

Verma, B.C., Saha, S., and Bhaduri, D (2026) Carbon farming for sustainable agriculture SATSA Mukhapatra - Annual Technical Issue 30 Pp 179-188.

Conference Abstract:

Verma, B.C., Bhaduri, D., Saha, S., Prasad, S.M., Roy, S., Banerjee, A., Priyamedha, Arunkumara C.G., Bhagat, S., and Mandal, N.P. (2026) Soil micronutrient status as influenced by nutrient management practices under rainfed drought prone ecology. Pp 70. *In: Abstracts of the National Seminar on Innovations in Agrophysics for Green Agriculture 22-24 January 2026 at ICAR-IIWM, Bhubaneswar.*

नियुक्ति

- डॉ. सुशांत कुमार नायक ने भाकअनुप-सीआरआई, कटक में 2 फरवरी 2026 को प्रधान वैज्ञानिक के पद पर कार्यभार ग्रहण किया।
- श्री चंचल कोटल ने भाकअनुप-सीआरआई, कटक में 16 फरवरी 2026 को सहायक के पद पर कार्यभार ग्रहण किया।
- सुश्री खुशबू कुमारी भाकअनुप-सीआरआई, कटक में 16 फरवरी 2026 को सहायक के पद पर कार्यभार ग्रहण किया।

पदोन्नति/ इस्तीफा

श्री राकेश बेहरा, तकनीशियन (टी-1) का लियन अवधि 15 फरवरी 2026 को पूरा हो गया।

परिवीक्षा की समाप्ति और सेवा में स्थायीकरण

- डॉ. अनिल कुमार सी., वैज्ञानिक, ने सफलतापूर्वक अपनी परिवीक्षा अवधि पूरी की और 7 जनवरी 2022 को उनकी सेवा स्थायी हुई।
- डॉ. असित कुमार प्रधान, वैज्ञानिक, ने सफलतापूर्वक अपनी परिवीक्षा अवधि पूरी की और 7 जनवरी 2022 को उनकी सेवा स्थायी हुई।
- डॉ. अरुणकुमार सी.जी., वैज्ञानिक, ने सफलतापूर्वक अपनी परिवीक्षा अवधि पूरी की और 11 अप्रैल 2025 को उनकी सेवा स्थायी हुई।
- श्री श्याम सी.एस., वैज्ञानिक, ने सफलतापूर्वक अपनी परिवीक्षा अवधि पूरी की और 11 अप्रैल 2025 को उनकी सेवा स्थायी हुई।

पदोन्नति/वित्तीय लाभ

- डॉ. तुषार रंजन साहू, पूर्व एसीटीओ (टी-7/8), कृषि विज्ञान केंद्र, कटक को 1 जनवरी 2023 को सीटीओ (टी-9) के अगले उच्च ग्रेड में पदोन्नति मिली।
- डॉ. भूपेन्द्र सिंह, एसीटीओ (टी-7/8), कृषि विज्ञान केंद्र, कोडरमा को 26 नवंबर 2023 को सीटीओ (टी-9) के अगले उच्च ग्रेड में पदोन्नति मिली।
- श्री मनीष कुमार, एसीटीओ (टी-6), कृषि विज्ञान केंद्र, कोडरमा को 28 जुलाई 2021 को एसीटीओ के अगले उच्च ग्रेड (टी-7/8) में पदोन्नति मिली।
- श्री रूपेश रंजन, एसीटीओ (टी-6), कृषि विज्ञान केंद्र, कोडरमा को 09 अगस्त 2021 को एसीटीओ के अगले उच्च ग्रेड (टी-7/8) में पदोन्नति मिली।

Appointment

- Dr. Sushanta Kumar Naik, Principal Scientist joined at ICAR-CRRI, Cuttack on 2 February 2026.
- Shri Chanchal Kotal joined ICAR-CRRI, Cuttack as an Assistant on 16 February 2026.
- Ms. Khushboo Kumari joined ICAR-CRRI, Cuttack as an Assistant on 16 February 2026.

Transfer/ Resignation

Shri Rakesh Behera, Technician (T-1) leon period completed on 15 February 2026.

Clearance of probation and confirmation in service

- Dr. Anil Kumar C, Scientist, successfully completed his probation and was confirmed in service on 7 January 2022.
- Dr. Asit Kumar Pradhan, Scientist successfully completed his probation and was confirmed in service on 7 January 2022.
- Dr. Arunkumar C.G., Scientist successfully completed his probation and was confirmed in service on 11 April 2025.
- Shri Shyam C.S., Scientist successfully completed his probation and was confirmed in service on 11 April 2025.

Promotion/ Financial Benefit

- Dr. Tushar Ranjan Sahoo, Ex-ACTO (T-7/8), KVK, Cuttack, was promoted to the next higher grade of CTO (T-9) on 1 January 2023.
- Dr. Bhoopendra Singh, ACTO (T-7/8), KVK, Koderma, was promoted to the next higher grade of CTO (T-9) on 26 November 2023.
- Shri Manish Kumar, STO (T-6), KVK, Koderma was promoted to the next higher grade of ACTO (T-7/8) on 28 July 2021.
- Shri Rupesh Ranjan, STO (T-6), KVK, Koderma was promoted to the next higher grade of ACTO (T-7/8) on 09 August 2021.

निदेशक की कलम से From Director's Desk

सीधी बुआई चावल: जलवायु-प्रतिरोधी और संसाधन-कुशल चावल की खेती की ओर एक रास्ता

Direct Seeded Rice: A Pathway Towards Climate-Resilient and Resource-Efficient Rice Cultivation



चावल पूरे एशिया और विशेषकर भारत में लाखों लोगों के लिए प्रमुख खाद्य है। लेकिन, जल की कमी, बढ़ती मजदूरी लागत, घटते लाभ और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन जैसी पर्यावरणीय समस्याओं के कारण, पारंपरिक कीचड़दार रोपित चावल की खेती में लगातार मुश्किलें आ रही हैं। इस मामले में, सीधी बुआई चावल (डीएसआर) एक अच्छा दूसरा उत्पादन प्रणाली बनकर उभरा है जो चावल की खेती का भविष्य बदल सकता है। सीधी बुआई चावल में नर्सरी से पौधे लगाने के बजाय सीधे खेत में चावल के बीज बोए जाते हैं। लगाने के तरीके में यह आसान सा बदलाव कई फायदे देता है। इससे मेहनत की जरूरत काफी कम हो जाती है, सिंचाई का पानी बचता है, फसल समय पर लग पाती है और खेती का खर्च कम होता है। खास बात यह है कि सीधी बुआई चावल लंबे समय तक बाढ़ न आने की वजह से मीथेन उत्सर्जन को कम करने में मदद करता है, जिससे यह स्थायी खेती के लिए एक जरूरी जलवायु-अनकूल प्रौद्योगिकी बन जाती है।

भाकूअनुप-केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (सीआरआरआई), कटक ने प्रदर्शित किया है कि अच्छी तरह से प्रबंधित सीधी बुआई की गई चावल प्रणालियाँ जल उपयोग दक्षता में सुधार और चावल की खेती के पर्यावरणीय पदचिह्न को कम करते हुए तुलनीय उपज बनाए रख सकती हैं। इस संस्थान ने सटीक पोषक तत्व प्रबंधन रणनीतियों, बेहतर खरपतवार प्रबंधन प्रथाओं और सीधी बुआई चावल प्रणालियों की अनुकूलन क्षमता और सफलता को और बढ़ाने के लिए सटीक मशीनरी विकसित की है।

भाकूअनुप-सीआरआरआई, कटक ने जल की कमी, श्रम की कमी और जलवायु परिवर्तनशीलता की चुनौतियों का समाधान करने के लिए सीधे बीज वाले चावल और एरोबिक चावल पारिस्थितिकी तंत्र के लिए उपयुक्त कई चावल की किस्में विकसित की हैं। सहभागीधान, सीआर धान 100 (सत्यभामा), सीआर धान 101 (अंकित), सीआर धान 103, सीआर धान 107, सीआर धान 201, सीआर धान 202, सीआर धान 204, फाल्गुनी (सीआर धान 801), सीआर धान 807 और सीआर धान 808 जैसी किस्मों में वांछनीय लक्षण हैं जिनमें प्रारंभिक शक्ति, सूखा सहिष्णुता, न गिरने की प्रतिरोधिता, खरपतवार प्रतिस्पर्धा और गैर-कीचड़दार सीधी बुआई चावल

Rice is the lifeline of food security for millions across Asia and particularly in India. However, conventional puddled transplanted rice cultivation is increasingly facing challenges arising from water scarcity, rising labour costs, declining profitability, and environmental concerns such as greenhouse gas emissions. In this context, Direct Seeded Rice (DSR) has emerged as a promising alternative production system capable of transforming the future of rice cultivation.

DSR involves sowing rice seeds directly into the field instead of transplanting seedlings from nurseries. This seemingly simple shift in establishment method offers multiple advantages. It significantly reduces labour requirement, saves irrigation water, enables timely crop establishment, and lowers cultivation costs. Importantly, DSR contributes to reduced methane emissions due to the absence of prolonged flooding, thereby making it an important climate-smart technology for sustainable agriculture.

ICAR-Central Rice Research Institute (CRRI), Cuttack has demonstrated that well-managed DSR systems can maintain comparable yields while improving water productivity and reducing the environmental footprint of rice cultivation. This institute has developed precision nutrient management strategies, improved weed management practices and precision machineries for further enhancing the adaptability and success of DSR systems.

ICAR-CRRI, Cuttack has developed several rice varieties suitable for direct seeded rice and aerobic rice ecosystems to address challenges of water scarcity, labour shortage, and climate variability. Varieties such as Sahbhagidhan, CR Dhan 100 (Satyabhama), CR Dhan 101 (Ankit), CR Dhan 103, CR Dhan 107, CR Dhan 201, CR Dhan 202, CR Dhan 204, Phalguni (CR Dhan 801), CR Dhan 807, and CR Dhan

स्थितियों के लिए अनुकूलन शामिल हैं। इनमें से, सहभागिधान ने अपनी सूखा सहिष्णुता और स्थिर उपज प्रदर्शन के कारण वर्षाश्रित और सीधी बुआई चावल वाले पारिस्थितिक तंत्र में व्यापक लोकप्रियता हासिल की है जबकि सीआर धान 807 को विशेष सफलता मिली क्योंकि भारत की पहली गैर-जीएमओ, गैर-बासमती शाकनाशी-सहिष्णु चावल किस्म विशेष रूप से सीधी बुआई चावल प्रणाली के लिए विकसित की गई है जिससे कुशल खरपतवार प्रबंधन होता है और मशीनीकृत खेती की सुविधा मिलती है। ये किस्में देश के विभिन्न कृषि-पारिस्थितिक क्षेत्रों में जलवायु-प्रतिरोधी, जल-बचत और पर्यावरण की दृष्टि से स्थिर चावल उत्पादन प्रणालियों में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।

फिर भी, सीधी बुआई चावल को सफलतापूर्वक अपनाने के लिए स्थान-विशिष्ट प्रबंधन रणनीतियों की आवश्यकता होती है। खरपतवार संक्रमण, पोषक तत्वों की गतिशीलता और सिंचाई की समय-सारणी महत्वपूर्ण चुनौतियां बनी हुई हैं जिनके लिए निरंतर अनुसंधान, तकनीकी परिशोधन और प्रभावी विस्तार समर्थन की आवश्यकता है। इस तकनीक को बढ़ाने के लिए किसानों की क्षमता निर्माण, उपयुक्त किस्मों का विकास और मशीनीकरण के लिए कस्टम हार्विंग सेवाओं को मजबूत करना आवश्यक होगा।

जैसे-जैसे कृषि जलवायु अनिश्चितता और संसाधन सीमाओं से आकारित भविष्य की ओर बढ़ रही है, सीधी बुआई चावल मूल्यवान प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के साथ उत्पादकता बढ़ाने का एक रणनीतिक अवसर प्रदान करता है। इसका व्यापक रूप से अपनाया खाद्य सुरक्षा, पर्यावरणीय स्थिरता और लाखों चावल किसानों के लिए बेहतर आजीविका सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

808 possess desirable traits including early vigour, drought tolerance, lodging resistance, weed competitiveness, and adaptability to non-puddled direct-seeded conditions. Among these, Sahbhagidhan has gained wide popularity in rainfed and direct-seeded ecosystems due to its drought tolerance and stable yield performance, while CR Dhan 807 represents a major breakthrough as India's first non-GMO, non-basmati herbicide-tolerant rice variety developed specifically for DSR systems, facilitating efficient weed management and mechanized cultivation. These varieties are contributing significantly towards climate-resilient, water-saving, and environmentally sustainable rice production systems in different agro-ecological regions of the country.

Nevertheless, successful adoption of DSR requires location-specific management strategies. Weed infestation, nutrient dynamics, and irrigation scheduling remain critical challenges that demand continuous research, technological refinement, and effective extension support. Capacity building of farmers, development of suitable varieties, and strengthening of custom hiring services for mechanization will be essential for scaling up this technology.

As agriculture moves towards a future shaped by climate uncertainty and resource limitations, DSR offers a strategic opportunity to enhance productivity while conserving precious natural resources. Its wider adoption can play a crucial role in ensuring food security, environmental sustainability, and improved livelihoods for millions of rice farmers.

संपर्क :

निदेशक, भाकृअनुप-केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान

कटक 753 006, ओडिशा, भारत

दूरभाष: 91-671-2367768-83 | फ़ैक्स: 91-671-2367663

ईमेल: director.nrri@icar.gov.in | director@icarricutack@gmail.com

यूआरएल: www.icar-nrri.in

Contact :

Director, ICAR-Central Rice Research Institute

Cuttack 753 006, Odisha India

Phone: 91-671-2367768-83 | Fax: 91-671-2367663

Email: director.nrri@icar.gov.in | director@icarricutack@gmail.com

URL: www.icar-nrri.in

निदेशक: डॉ.जी ए के कुमार

बी मंडल

संध्या रानी दलाल

बी के महांती

एस के सिन्हा

Director : G A K Kumar

Editing & Coordination : B Mondal

Compilation : Sandhya Rani Dalal

Hindi Translation : B K Mohanty

Layout : S K Sinha

संपादन एवं समन्वयन :

संकलन :

हिंदी अनुवाद :

प्रारूप :